राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 10 मई 2024 वर्ष–7,अंक–106 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

प्रियंका गांधी वाड्रा ने फिर कहा....भाजपा की बी टीम के रुप में काम कर रहे औवेसी

रायबरेली । लोकसभा चुनाव के बीच रायबरेली में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा मैं आपको बार-बार कह रही हूं। असदुद्दीन औवेसी सीधे तौर पर बीजेपी की बी टीम के रुप में काम कर रहे हैं। जहां भी भाजपा को अन्य दलों को पीछे धकेलने के लिए किसी को मैदान में उतारने की जरूरत है, वह ऐसा कर रहे हैं। तेलंगाना चुनाव में ये बात बिल्कुल साफ हो गई है। भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह को कैसरगंज सीट से टिकट मिलने पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, ये दिखाता है कि भाजपा की सरकार और उनके नेता महिलाओं के पक्ष में कभी खड़े नहीं हो सकते, क्योंकि जब वहां महिला ओलंपिक मेडल लेकर आई तब प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें घर बुलाकर उनके साथ चाय पी और फोटो खिंचवाई। जब उसी महिला ने आंदोलन कर कहा कि मेरे साथ अत्याचार हुआ है, तब किसी ने उस महिला खिलाड़ी से कुछ पूछा तक नहीं। आज ये परिस्थिति है कि उनके बेटे को चुनाव में टिकट मिल गया है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, जो उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी ने नाम (अडानी अंबानी का नाम) लेना बंद कर दिया ये सही नहीं है, राहुल गांधी रोज इस मुद्दे पर बात कर रहे हैं...मेरी प्रधानमंत्री को सलाह हैं कि पहले हमारे घोषणा पत्र को पढ़ लें फिर टिप्पणी करें।

दुष्यंत चौटाला ने की फ्लोर टेस्ट की मांग...गर्वनर को लिखा पत्र

गुरुग्राम । हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम और जननायक जनता पार्टी (जेजेजे) के अध्यक्ष दुष्यंत चौटाला ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को चिट्ठी लिखकर फ्लोर टेस्ट कराने की मांग की है। दुष्यंत की चिट्ठी में लिखा गया है कि वह राज्य में सरकार बनाने वाली किसी भी पार्टी का समर्थन करने को तैयार हैं। साथ ही कहा है कि हरियाणा में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए। बता दें कि हरियाणा सरकार पर तब राजनीतिक संकट गहरा गया, जब बीजेपी से तीन निर्दलीय विधायकों ने अपना समर्थन वापस ले लिया। इन निर्दलीयों में पुंडरी से विधायक रणधीर गोलन, नीलोखेड़ी से विधायक धर्मपाल गोंदर और चरखी दादरी से विधायक सोमवीर सांगवान शामिल हैं। इन विधायकों ने बीजेपी सरकार से समर्थन वापस लेकर कांग्रेस को अपना समर्थन दे भी दिया। सैनी सरकार से समर्थन वापिस लेने और कांग्रेस को समर्थन देने पर निर्दलीय विधायक धर्मपाल गोंदर ने कहा कि बीजेपी ने मुझे किसी भी कार्यक्रम में नहीं बुलाया। कांग्रेस पार्टी गरीबों और किसानों के बारे में सोचती है।

दाऊद के पूर्व साथी सलीम के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी

मुंबई। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का सहयोगी रहा सलीम डोल के खिलाफ पुलिस ने लुकआउट नोटिस जारी किया है। महाराष्ट्र के सांगली जिले में 252 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन जब्ती के मामले में मुंबई पुलिस ने मादक पदार्थ तस्कर सलीम डोला के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया। अधिकारी ने बताया कि सलीम डोला एक बड़ा मादक पदार्थ तस्कर है, जिसे अपराध शाखा ने वांछित आरोपी घोषित किया है। डोला एक समय अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का करीबी रहा है। डोला मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े कई मामलों में भी अपराधी है। पुलिस ने पहले भी पश्चिमी महाराष्ट्र के सांगली जिले में एक ठिकाने पर छापा मारकर मेफेड्रोन तस्करी का भंडाफोड़ किया था।

जब पुलिस का पुलिस ने ही काट दिया 18 हजार का चालान

नई दिल्ली। कानून का पालन करना तो सभी की जिम्मेदारी है चाहे वह आम हो या खास। कानून तोड़ने पर सजा भी मिलना जायज है। वहीं नोएडा में पुलिस ने कानून का पालन नहीं करने पर एक पुलिसकर्मी पर तगड़ा चालान बना दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार पुलिस उपायुक्त (यातायात) अनिल कुमार यादव ने गुरुवार को बताया कि सोशल मीडिया पर एक तस्वीर सामने आई जिसमें एक पुलिस कर्मी को अपनी बाइक पर बिना हेलमेट पहने देखा गया । बाइक पर 'हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट' नहीं लगी थी और बाइक का बीमा व प्रदूषण प्रमाण पत्र भी नहीं था। यातायात पुलिस ने उस पुलिस कर्मी को रोक और उस पर 18 हजार रुपए का चालान किया है।

पीएम मोदी का विजयवाड़ा में रोड शो, लोगों ने किया जोरदार स्वागत

-आंध्र प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ होना हैं

- टीडीपी, बीजेपी और जेएसपी मिलकर लड़ रहे हैं चुनाव

विजयवाड़ा।

आंध्र प्रदेश विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवारों के समर्थन में विजयवाड़ा में पीएम नरेंद्र मोदी ने एक विशाल रोड शो किया। खुली गाड़ी में तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू और जनसेना पार्टी (जेएसपी) के अध्यक्ष पवन कल्याण, पीएम मोदी ने हाथ उठाकर भीड़ का अभिवादन स्वीकार किया। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण ने भी हाथ जोड़कर लोगों का जवाब दिया। एनडीए गठबंधन के नेताओं के स्वागत के लिए बंदर रोड पर काफी संख्या में भीड़ जुटी थी। कुछ लोग हाथों में टीडीपी, बीजेपी और जेएसपी के झंडे और तख्तियां लिए हुए थे। महिलाओं का एक समूह पीएम मोदी के पोस्टर हाथ में लिए गाड़ी के आगे-आगे चल रहा था। रोड शो तीन किमी का था । रोड शो के लिए पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। विजयवाड़ा लोकसभा सीट से टीडीपी उम्मीदवार केसिनेनी शिवनाथ और सात विधानसभा क्षेत्रों के एनडीए उम्मीदवारों ने भी रोड शो में भाग लिया। पीएम मोदी ने राजमपेट में एनडीए की एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने लोगों से राज्य के विकास के लिए डबल इंजन सरकार चुनने की अपील की। 175 सदस्यीय आंध्र प्रदेश विधानसभा और 25 लोकसभा सीटों के लिए एक साथ चुनाव 13 मई को होने हैं। सीट बंटवारे के समझौते के तहत टीडीपी 144 विधानसभा और 17 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसमें बीजेपी 10 विधानसभा और छह लोकसभा सीटें और जेएसपी के लिए 21 विधानसभा और दो लोकसभा सीटें छोड़ी गईं। एक दशक के बाद टीडीपी, बीजेपी और जेएसपी एक साथ आए हैं। 2014 में जेएसपी ने टीडीपी-बीजेपी गठबंधन का समर्थन किया था। बाद में पवन कल्याण ने दोनों पार्टियों से दूरी बना ली थी, वहीं टीडीपी ने भी बीजेपी से नाता तोड़ लिया था।

टीडीपी, जिसने 2019 का चुनाव अपने दम पर लड़ा था, वाईएसआर कांग्रेस से हार गई थी। बीजेपी, जो अकेले चुनाव लड़ रही थी, विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनावों में उसको एक भी सीट नहीं मिली थी। बसपा और वाम दलों से हाथ मिलाने वाली जेएसपी सिर्फ एक सीट जीत पाई थी। इस लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जेएसपी ने टीडीपी-बीजेपी के साथ हाथ मिलाया और तीनों मिलकर वाईएसआर कांग्रेस को हराने में जुट गई हैं।

हमारी विरासत शहादत की है, हम संविधान को आंच नहीं आने देंगे-प्रियंका गांधी

रायबरेली ।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भांव में नुक्कड़ सभा में भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि आज भाजपा संविधान क्यों बदलना चाहती है, क्योंकि वो आपके अधिकारों को कुचलना चाहती है। वो आरक्षण को कुचलना चाहती है। भाजपा आवाज दबाने की हरसंभव कोशिश कर रही है। उन्होंने राहुल भैया को परेशान किया। उनकी सदस्यता छीनी। उनका घर छीना। लेकिन वो पीछे नहीं हटे। हमारी विरासत शहादत की है।

कांग्रेस प्रत्याशी और अपने भाई राहुल गांधी के लिए चुनाव प्रचार करने निकलीं प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा चाहे कुछ भी कर ले लेकिन हम संविधान को आंच नहीं आने देंगे। संविधान के लिए हर कुर्बानी को तैयार। नहीं बदलने देंगे भाजपा को संविधान। इससे पहले प्रियंका गांधी ने मुंशीगंज, रायबरेली स्थित किसान शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद किसानों को याद करते हुए कहा कि 1920-21 के असहयोग आंदोलन के दौरान अवध में किसान आंदोलन छिड़ गया। यह आंदोलन बाबा रामचंद्र और मदारी पासी के नेतृत्व में चला था। आंदोलन के दौरान रायबरेली के मुंशीगंज में भयानक गोलीकांड हुआ। 7 जनवरी 1921 को सई नदी के पुल पर किसानों को घेरकर गोलियों से भून दिया गया था। इसकी सूचना मिलने पर पंडित मोतीलाल नेहरू और जवाहरलाल नेहरू जी रायबरेली पहुंचे थे और पीड़ित किसानों से मुलाकात की। इस नरसंहार के यह आंदोलन और तेज हुआ तो मोतीलाल नेहरू और जवाहरलाल नेहरू को गिरफ्तार कर लिया गया था। बाद में शहीद किसानों की याद में यहां पर शहीद स्मारक बनाया गया। 1921 में रायबरेली की जनता के साथ शुरू हुआ कांग्रेस का यह रिश्ता आजतक कायम है। राजापुर की नुक्कड़ सभा में प्रियंका गाँधी ने कहा कि राहुल गाँधी जी सत्याग्रह का संकल्प लेकर 4000 किमी पैदल चले। उन्होंने जनता के मुद्दे उठाए। लोगों की आवाज सुनी।

दूसरी तरफ देश के प्रधानमंत्री हैं। आम लोगों से कट चुके हैं। लोगों की बात नहीं सुनते। अपने महल से निकलते नहीं। रायबरेली ने हमेशा सत्याग्रह की आवाज उठाई है। रायबरेली सत्य का झंडा बुलंद करेगा।

भारतीय बैंकों में बीते 10 सालों में 3.94 लाख करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

मुंबई ।

भारतीय बैंकों में पिछले 10 सालों में 3.94 लाख करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) याचिका के जवाब में उपलब्ध भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से उपलब्ध कराए आंकड़ों से इसका पता चला है।

आंकड़ों के अनुसार निजी और पब्लिक सेक्टर बैंकों में 2014-15 और 2024-24 (दिसंबर 2023) के बीच कुल 4,44,425 फ्रॉड के मामले आए हैं। डेटा के अनुसार पिछले एक दशक में महाराष्ट्र में सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। आरबीआई की तरफ से राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में पिछले 10 सालों में बैंक धोखाधड़ी से जुड़ी पूरी जानकारी साझा की गई है। महाराष्ट्र के अलावा एनसीटी दिल्ली में 67019, तमिलनाडु 50928, उत्तर प्रदेश में 34206 और गुजरात में 23972 के आंकड़ों के साथ बैंक फ्रॉड के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। इसके बाद पिछले 10 वित्तीय वर्ष में कर्नाटक, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, राजस्थान जैसे प्रदेशों का नंबर आता है।

वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2023-24 (दिसंबर 2023 तक) की अवधि के दौरान बैंकों द्वारा परिचालन क्षेत्र कार्ड/इंटरनेट के लिए रिपोर्ट की गई धोखाधड़ी की संख्या 4,63,555 है और इसमें शामिल राशि 2,614 करोड़ थी। 31 मार्च, 2024 तक का डेटा अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

सालभर होते हैं चुनाव फिर नेताओं को जेल में रखना होगा असंभव

-सीएम केजरीवाल की अंतरिम जमानत का ईडी ने किया विरोध

नई दिल्ली।

केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने अपना एक हलफनामा दाखिल करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत का विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामा में ईडी ने कहा, चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देना ठीक नहीं है। चुनाव-प्रचार के लिए अंतरिम जमानत देना ना तो संवैधानिक है और ना ही कानूनी और ना मौलिक अधिकार ही है। ईडी ने अपने हलफनामें में इस बात को प्रमुखता से रखा है कि पूरे देश में साल भर कहीं न कहीं चुनाव होते ही रहते हैं। हर नेता को यदि चुनाव होने के लिए अंतरिम जमानत दे दी जाए तो फिर किसी नेता को जेल में रखना असंभव हो जाएगा।

वैसे भी चुनाव लड़ने के लिए भी अंतरिम जमानत नहीं दी जा सकती है। इसके साथ ही अपने हलफनामें में ईडी ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तो चुनाव भी नहीं लड़ रहे हैं। ईडी ने कहा कि संघीय ढांचे में कोई भी चुनाव किसी अन्य चुनाव से कम महत्वपूर्ण नहीं होता है। ऐसे में प्रत्येक स्तर के नेता हर तरह के चुनाव में अंतरिम जमानत की मांग करने लग जाएंगे। तब यही नेता कहने लगेंगे कि अगर उनको जमानत नहीं दी जाती है तो उनके लिए इसके नतीजे गंभीर हो सकते हैं।

झुंझुनूं में निकल रहे मिट्टी के बुलबुले.....लोगों में दहशत

झुंझुनूं ।

राजस्थान में इनदिनों आसमान आग बरसा रहा है। हवा लू के थपेड़े मार रही है। ऐसी परिस्थित में अगर जमीन से बुलबुले निकलने लगे तब सभी को हैरानी होगी। बीकानेर में जमीन धंसने और बाड़मेर में जमीन फटने की घटना के बाद झुंझुनूं में भी पिछले कुछ दिनों से जमीन से मिट्टी के बुलबुले निकल रहे है।

झुंझुनूं के मण्डावा मोड़ स्थित मान कॉम्पलेक्स के पास सड़क किनारे एक हिस्से में जमीन से मिट्टी के बुलबुले निकल रहे थे। इसका सिलसिला बीते कुछ दिन से जारी है। लोग हैरान है और वीडियो बनाकर शेयर कर रहे हैं।

वीडियो में ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी मिट्टी पर पांव रखकर देख रहा है, जिसमें मिट्टी धंसती हुई दिखाई दे रही है। हालांकि बुलबुले का आकार काफी छोटा है लेकिन ये दिनभर निकलते हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों से जांच के लिए कहा है, जिससे मामले की सत्यता सामने आ सके। जिस तरह बीकानेर के सहजासर में मिट्टी धंसी और बाड़मेर में लगभग 3 किलोमीटर जमीन फटी उससे सब घबराए हुए हैं कि कहीं झुंझुनू में भी यही न हो जाए। हालांकि कुछ जानकारों का कहना है जहां पर मिट्टी के बुलबुले निकल रहे हैं। वहां पर पानी की लाइन डाली हुई है। साथ ही कुछ तार भी डाले हुए हैं या कोई गैस पाइपलाइन भी हो सकती है।

तेलंगाना में शाह की हुंकार, ये चुनाव वोट फॉर जिहाद और वोट फॉर विकास के बीच

नई दिल्ली ।

जोर-शोर से चल रहे लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि इस लोकसभा चुनावों में लड़ाई वोट फॉर जिहाद और वोट फॉर विकास के बीच है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मुझे यहां तेलंगाना में उपस्थित होकर खुशी हो रही है...मैं आप सभी का हृदय से स्वागत करता हूं। आज हमारा देश लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव का गवाह बन रहा है। यह चुनाव वोट फॉर जिहाद और वोट फॉर विकास मिशन के बीच का है।

शाह ने कहा कि आगामी चुनाव, राहुल की चीनी गारंटी और पीएम मोदी की भारतीय गारंटी के बीच लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं। मैं जहां भी जाता हूं, मुझे केवल मोदी, मोदी... की गूंज सुनाई देती है। तेलंगाना ने कमल को चुनने का फैसला कर लिया है, उसका प्यार और आशीर्वाद इस बार 400 के पार ले जाएगा! उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने 2019 में हमें 4 सीटों का आशीर्वाद दिया। और इस बार, मुझे यकीन है कि हम तेलंगाना में 10 से ज्यादा सीटें जीतने जा रहे हैं। तेलंगाना का यह डबल-डिजिट स्कोर निश्चित रूप से मोदी जी को 400 के पार पहुंचा देगा। शाह ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि तेलंगाना और राजस्थान के लोगों को कश्मीर से कोई लेना-देना नहीं है। दुर्भाग्य से, वे नहीं जानते कि यहां के लोग कश्मीर के लिए अपनी जान भी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाना मोदी जी द्वारा लिया गया ऐतिहासिक निर्णय है, और भारत के लोग इस निर्णय के लिए आभारी भी हैं और गर्व भी महसूस करते हैं। मोदी जी ने भोंगिर के कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बहुत प्रयास किये हैं। मोदी की कपड़ा नीति बिल्कुल स्पष्ट है। इसका उद्देश्य खेत से फाइबर, फाइबर से फैक्ट्री, फैक्ट्री से फैशन और फैशन से निर्यात तक के चैनलों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि बीआरएस तेलंगाना में विकास सुनिश्चित करने के वादे के साथ सत्ता में आई, लेकिन बीआरएस ने केवल भ्रष्टाचार किया। आपने रेवंत रेड्डी को 5 साल दिए और उन्होंने तेलंगाना को कांग्रेस पार्टी के लिए एटीएम में बदलने के अलावा कुछ नहीं किया।

कुलगाम मुठभेड़ में मारे गए तीसरे आतंकी की हुई पहचान

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए तीसरे आतंकी की पहचान की है। पुलिस ने बताया कि कुलगाम मुठभेड़ में मारे गए तीसरे आतंकवादी की पहचान श्रीनगर शहर में ईदगाह इलाके के निवासी गुलजार अहमद मीर के बेटे मोमिन के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इलाके को सील कर एकमात्र जिंदा आतंकवादी को बाहर निकालने के लिए ऑपरेशन शुरू किया गया। वह बुधवार शाम मारा गया। इसके पहले सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल पर टीआरएफ के टॉप कमांडर बासित डार सहित दो आतंकवादियों को मार गिराया था। कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के कारण उस पर 10 लाख रुपये का इनाम था। सुरक्षाबलों ने कहा कि डार लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी कमांडर था। जबकि टीआरएफ अग्रणी संगठन है जो लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद द्वारा की गई आतंकवादी गतिविधियों की जिम्मेदारी लेता है। ऐसा सुरक्षाबलों को गुमराह करने के लिए किया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कठघरे में टीके

कोरोना के टीके कोविशील्ड को लेकर छिड़ा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है, तो यह स्वाभाविक ही है। इस टीके की निर्माता कंपनी एस्ट्राजेनेका ने अपने टीकों को वापस लेने की पहल की है। खासकर, टीके वैक्सजेवरिया पर सुरक्षा चिंताओं के बीच कंपनी की पहल को अलग-अलग नजरिये से देखा जा रहा है। यह कंपनी अपने टीकों की शिकायतों से परेशान है और टीके को वापस लेने से जहां उसकी चिंता घटेगी, वहीं दूसरी ओर, लोगों की शिकायतों में भी इजाफा हो सकता है। खास बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट जल्द ही कोविशील्ड के दुर्लभ दुष्प्रभावों पर सुनवाई करने वाला है। हालांकि, सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं है, पर यह बड़ी बात है कि प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने वैक्सीन के दुष्प्रभावों की जांच के लिए एक विशेषज्ञ पैनल की मांग वाली याचिका को स्वीकार कर लिया है। यह याचिका अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर की है और इसमें शीर्ष अदालत से प्रभावित नागरिकों के लिए वैक्सीन क्षति भुगतान व्यवस्था बनाने की मांग की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने अगर मंजूर कर लिया, तो केंद्र सरकार को भारत में भी टीका दुष्प्रभाव क्षतिपूर्ति तंत्र बनाना पड़ेगा। महामारी के दौरान टीकाकरण अभियान के चलते गंभीर रूप से अक्षम हुए लोगों की खोज होनी चाहिए और एक विस्तृत सूची बननी चाहिए। हालांकि, यह काम आसान नहीं है। ध्यान देने की बात है, कोरोना पीड़ितों या मृतकों के परिजन को मुआवजा देने का फैसला केंद्र सरकार ने किया था। ऐसे बच्चों के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए थे, जो कोरोना के समय अनाथ हो गए थे। अब अगर टीकों के दुष्प्रभावों से पीड़ित लोगों या मृतकों को मुआवजा मिलता है, तो यह एक कल्याणकारी राज्य (भारत) के लिए सकारात्मक फैसला होगा। भारतीयों को सतर्क रहना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि देश या क्षेत्र के हिसाब से एस्ट्राजेनेका पक्षपात करने लगे। अगर यूरोप में मुआवजा दिया जाता है, तो एशिया या भारत में क्यों नहीं? ध्यान देने की बात है, भारत में लोगों को कोविशील्ड की 175 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। भारत में भी एस्ट्राजेनेका की टीका संबंधी स्वीकारोक्ति के बाद चिंता का आलम है। कंपनी ने स्वीकार किया है कि टीके से रक्त का थक्का जमने का खतरा है और इस वजह से ब्रिटेन में कंपनी को मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। वैसे, कंपनी अभी भी अपने दामन को पाक-साफ बताने में लगी हुई है और वह यूरोप में लग रहे आरोपों को तभी स्वीकार करेगी, जब कोई विशेषज्ञ गवाही देगा। विशेषज्ञ चिकित्सक की गवाही का यूरोप में बड़ा महत्व होता है, तो भारत में भी कम नहीं होता। जहां भी दुष्प्रभाव के मामले आते हैं, वहां चिकित्सकों को अपनी योग्यता का परिचय देना होगा। टीके की कमियों को छिपाने की कोई जरूरत नहीं है। चिकित्सा व्यवस्था के भविष्य के लिए यह जरूरी है कि सेवा में कमियों को दोहराया न जाए। टीका बेचकर भारी मुनाफा कमाने वाली कंपनी को भी सच्चाई के पक्ष में दिखना होगा। हालांकि, फिलहाल कंपनी इस पूरी शिकायत को घटाकर देख रही है। उसने संकेत यही किया है कि बाजार में उपलब्ध टीकों की अधिकता और मांग में कमी की वजह से टीकों को वापस लिया जा रहा है। खैर, बाजार से टीके वापस लिए जा सकते हैं, पर जिन दुर्लभ मामलों में टीके की खुराक ने शरीर के अंदर जाकर नुकसान पहुंचाया है, उसकी भरपायी कैसे हो सकती है? इंतजार कीजिए, हमारी दुनिया उस ओर बढ़ रही है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

तप, शक्ति एवं मंगल का पर्व है अक्षय तृतीया

(लेखक- ललित गर्ग)

(अक्षय तृतीया 10 मई, 2024 पर विशेष)

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। यह त्यौहार अध्यात्म, आरोग्य, मंगल एवं उपवास का विलक्षण संगम है। इस त्यौहार के साथ-साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू-जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर-भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। युद्ध, हिंसा एवं महामारी के समय में संयम एवं तप की अक्षय परम्परा को जन-जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है। अक्षय तृतीया का पावन पवित्र त्यौहार निश्चित रूप से धर्माराधना, त्याग, तपस्या आदि से पोषित ऐसे अक्षय बीजों को बोने का दिन है जिनसे समयान्तर पर प्राप्त होने वाली फसल न सिर्फ सामाजिक उत्साह को शतगुणित करने वाली होगी वरन अध्यात्म की ऐसी अविरल धारा को गतिमान करने वाली भी होगी जिससे सम्पूर्ण मानवता सिर्फ कुछ वर्षों तक नहीं पीढ़ियों तक स्नात होती रहेगी। अक्षय तृतीया के पवित्र दिन पर हम सब संकल्पित बनें कि जो कुछ प्राप्त है उसे अक्षुण्ण रखते हुए इस अक्षय भंडार को शतगुणित करते रहें। यह त्यौहार हमारे लिए एक सीख बने, प्रेरणा बने और हम अपने आपको सर्वोतमुखी समृद्धि की दिशा में निरंतर गतिमान कर सकें। अच्छे संस्कारों का ग्रहण और गहरापन हमारी संस्कृति बने, तभी अक्षय तृतीया पर्व की सार्थकता होगी।

अक्षय तृतीया इस वर्ष 10 मई, 2024 को है। यह दिन किसानों एवं कुंभकारों के लिए विशेष महत्व का दिन हैं। शिल्पकारों के लिए भी यह बहुत महत्व का दिन है। बैलों के लिए भी बड़े महत्व का दिन है। प्राचीन समय से यह परम्परा रही है कि आज के दिन राजा अपने देश के विशिष्ट किसानों को राज दरबार में आमंत्रित करता था और उन्हें अगले वर्ष बुवाई के लिए विशेष प्रकार के बीज उपहार में देता था। लोगों में यह धारणा प्रचलित थी कि उन बीजों की बुवाई करने वाले किसान के धान्य-कोष्टक कभी खाली नहीं रहते। यह इसका लौकिक दृष्टिकोण है। लोकोत्तर दृष्टि से अक्षय तृतीया पर्व का संबंध जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ के साथ जुड़ा हुआ है। तपस्या हमारी संस्कृति का मूल तत्व है, आधार तत्व है। हिन्दु धर्म में उपवास व्रत के रूप में प्रतिष्ठित है। विशिष्ट तिथियों, पर्वों, त्यौहारों पर विविध उद्देश्यों एवं कामनाओं की पूर्ति के लिये उपवास किये जाते हैं।

इस्लाम में नमाज, जकात, हज आदि बुनियादी धार्मिक कृत्यों में एक है रोजा। रोजा का अर्थ बताया गया- रुक जाना। कुरआने करीम-रोजा सब मुसलमानों का फर्ज है। रोजा उपवास का एक रूप है, जो चांद एवं तारों की साक्षी से खोला जाता है। इसी प्रकार साइबेरिया, अमरीकन- इंडियन कबीलों एवं युनाइटेड स्टेट्स के उत्तरी-पश्चिमी इलाकों में भी किसी-न-किसी रूप में उपवास किये जाते हैं- ऐसा शोधार्थी मानते हैं। उनका विश्वास है, उपवास के समय ईश्वर सपनों के माध्यम से दैवीय शिक्षा देते हैं। पेरु में पादरी के समक्ष पापों को स्वीकारने के लिये उपवास जरूरी माना जाता है। जूडेइज्म में प्रायश्चित के दिन एवं अन्य अवसरों पर उपवास का विधान है। इन सब तथ्यों का निष्कर्ष है कि उपवास सभी धर्मों और सभी देशों में धार्मिक आस्था के साथ हुआ व्यापक उपक्रम है। कहा जाता है कि संसार की जितनी समस्याएं हैं तपस्या एवं उपवास से उनका समाधान संभव है। संभवतः इसीलिए लोग विशेष प्रकार की तपस्याएं करते हैं और तपस्या के द्वारा संसार की आध्यात्मिक एवं भौतिक दोनों संपदाओं को हासिल करने का प्रयास करते हैं। जैन धर्म में वर्षीतप यानी एक वर्ष तक तपस्या करने वाले साधक इसदिन से तपस्या प्रारंभ करके इसी दिन सम्पन्न करते हैं। यह संसार से मोक्ष की मुस्कान, शरीर को तपाने और आत्मस्थ करने का अवसर है। अक्षय तृतीया तप, त्याग और संयम का प्रतीक पर्व है। इसका सम्बन्ध भगवान ऋषभदेव के युग और उनके कठोर तप से जुड़ा होने से वर्षीतप की परम्परा चली। यह ऋषभ की दीर्घ तपस्या के समापन का दिन है। अपने आदिदेव की स्मृति में जैन धर्म के विभिन्न सम्प्रदायों में असंख्य श्रावक-श्राविकाएं वर्षीतप करते हैं। जिनकी तपस्या का पूर्णाहुति एवं नये वर्षीतप के संकल्प के लिये इस दिन देशभर में आचार्यों और मुनियों के सान्निध्य में अनेक आयोजन होते हैं। इसका मुख्य आयोजन हस्तिनापुर (जिला मेरठ- उत्तर प्रदेश) में श्री शांतिनाथ जैन मन्दिर में एवं प्राचीन नसियांजी, जो भगवान ऋषभ के पारणे का मूल स्थल पर आयोजित होता है, वहां पर देशभर से हजारों तपस्वी एकत्र होते हैं और अपनी तपस्या का पारणा करते हैं। सभ्यता और संस्कृति की विकास यात्रा का नाम है ऋषभ। वे सम्राट से संन्यासी बने, उनके प्रति जनता में गहरा आदर भाव था। यही कारण रहा कि उनके प्रजाजनों को इस बात का ज्ञान नहीं था कि भगवान ऋषभदेव को भिक्षा में भोजन की भी आवश्यकता होगी।

भगवान ऋषभ प्रतिदिन शुद्ध आहार की गवेषणा एवं तलाश करते हुए घर-घर में घूमते, लेकिन अज्ञानता के सघन आवरण के कारण कोई भी उन्हें भोजन उपहृत नहीं करता। लोग उन्हें आदर के साथ हाथी, घोड़े, रथ, रत्नाभूषण, रत्न जड़ित पादुकाएं ग्रहण करने की प्रार्थना करते। उनका मत था कि वे अपने सृजनहार को अपने पास की सबसे बड़ी एवं कीमती वस्तु उपहृत करें। इस तरह बिना आहार के भगवान ऋषभ की तपस्या के बारह महीने पूरे हो गए। इस क्रम में आप पादविहार करते हुए हस्तिनापुर पधारते हैं। आपका प्रपौत्र श्रेयांस कुमार राजमहल के गवाक्ष में बैठा सड़क के दृश्य को देख रहा है। अचानक उसकी नजरें सड़क पर भिक्षा की गवेषणा में नंगे पैर घूमते अपने संसारपक्षीय परदादा भगवान ऋषभदेव पर पड़ती है। भगवान ने प्रपौत्र श्रेयांस के हाथों इक्षुरस का सुपात्र दान लेकर एक नई परम्परा की शुरूआत की। इन अप्रत्याशित क्षणों के साक्षी बनकर देवलोक से समागत देवतागण भी अहोदानं-अहोदानं की ध्वनि प्रकट करते हुए पांच प्रकार के द्रव्यों की वर्षा की। एक दृष्टि से धर्म क्षेत्र में नयी सोच के दर्शन कराने वाला दिन बन गया। यही सन्दर्भ तपस्या और साधना का शुभ मुहूर्त बन गया। प्रतीकात्मक रूप में इसे वर्ष भर तक एकांतर तप (एक दिन छोड़कर पुनः उपवास) की साधना के साथ मनाये जाने की परम्परा ने विगत कुछ वर्षों में काफी जोर पकड़ा है। तपस्या को जैन धर्म साधना में अत्यन्त महत्पूर्ण स्थान दिया जाता है। मोक्ष के चार मार्गों में तपस्या का स्थान कम महत्वपूर्ण नहीं है। तपस्या आत्मशोधन की महान प्रक्रिया है और इससे जन्म जन्मांतरों के कर्म आवरण समाप्त हो जाते हैं। जरूरत इस बात की है कि इसकी साधना से जीवन विकास की सीख हमारे चरित्र की साख बने। हममें अहं नहीं, निर्दोष शिशुभाव जागे। यह आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा बने।

सनातन धर्म में इसी दिन शादियों के भी अबूझ एवं स्वयंसिद्ध मुहूर्त रहता है और थोक में शादियां होती है। अक्षय तृतीया को आखा तीज भी कहा जाता है। माना जाता है कि इस दिन जो भी कार्य किए जाते हैं वे पुरी तरह सफल होते हैं एवं शुभ कार्यों को अक्षय फल मिलता है। भविष्य पुराण एवं स्कंद पुराण में उल्लेख है कि वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को रेणुका के गर्भ से भगवान विष्णु ने परशुराम रूप में जन्म लिया था। जो दक्षिण भारत में बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाई जाती है। साथ ही यह भी मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन अपने अच्छे आचरण और सद्गुणों से दूसरों का आशीर्वाद लेना अक्षय रहता है। साथ ही अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है तथा गृह प्रवेश, पदभार ग्रहण, वाहन खरीदना, भूमि पूजन आदि शुभ कार्य करना अत्यंत लाभदायक एवं फलदायी होते हैं। इतना ही नहीं अक्षय तृतीया के दिन ही वृंदावन के बांके बिहारी के चरण दर्शन एवं प्रमुख तीर्थ बद्रीनाथ के पट (द्वार) भी अक्षय तृतीया को ही खुलते हैं।

अक्षय तृतीया पर एक ऐसा उपाय जिससे घर मे अन्न की कमी नही रहेगी!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया पर्व मनाया जाता है।इस दिन सूर्य और चंद्रमा दोनों ही अपनी उच्च राशि में मौजूद होते हैं और शुभ परिणाम देते हैं।इन दोनों की सम्मिलित कृपा का फल अक्षय तृतीया के रूप में प्राप्त होता है। अक्षय तृतीया पर मूल्यवान वस्तुओं की खरीदारी और दान-पुण्य के कार्य भी शुभ माने जाते हैं। सोना खरीदना इस दिन सबसे ज्यादा शुभ होता है। इससे धन की प्राप्ति और दान का पुण्य अक्षय बना रहता है। कहते है, अक्षय तृतीया पर सोने-चांदी की चीजें खरीदने से जातक का भाग्योदय हो जाता है। इसके अलावा, पवित्र नदियों में स्नान, दान, ब्राह्मण भोज, श्राद्ध कर्म, यज्ञ और ईश्वर की उपासना जैसे उत्तम कार्य इस तिथि पर अक्षय फलदायी माने जाते हैं। इस दिन शुरू किया गया कोई भी शुभकार्य आसानी से संपन्न हो जाता है। इस दिन आप शुभ मुहूर्त देखे बिना कोई भी शुभकार्य संपन्न कर सकते हैं।अक्षय तृतीया तिथि इस बार 10 मई को सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर आरंभ होकर 11 मई को सुबह 02 बजकर 50 मिनट तक रहेगी। उदिया तिथि के कारण अक्षय तृतीया 10 मई को मनाई जा रही है।मान्यता यह भी है कि सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत अक्षय तृतीया से ही हुई थी। भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में अवतार इसी दिन लिया था। इस शुभ तिथि से ही भगवान गणेश ने महाभारत काव्य लिखना शुरू किया था।अक्षय तृतीया पर ही बद्रीनाथ के कपाट खुलते हैं और इसी दिन वृन्दावन में भगवान बांके-बिहारी जी के चरणों के दर्शन होते हैं। वैशाख शुक्ल तृतीया तिथि को अखा तीज के रूप में भी मनाया जाता है।इसी कारण कुछ लोग इसे अक्षय तीज भी कहते हैं।इस दिन रवि योग के साथ-साध धन योग, गजकेसरी योग, शुक्रादित्य योग , मालव्य योग के साथ शश राजयोग बन रहा है। ऐसे में इस शुभ योगों में मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा करने से कई गुना अधिक फलों की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।इस दिन को श्री कृष्ण और सुदामा से भी संबंधित माना जाता है। एक बार अक्षय तृतीया के दिन श्री कृष्ण अपने मित्र से काफी समय के बात मिले थे। वह बहुत गरीब थे इसलिए अपने परम मित्र से सहायता मांगने के लिए आए थे। जब श्री कृष्ण को सुदामा के बारे में पता चला, तो वह खुद दौड़कर नंगे पैर अपने महल के द्वार पर उन्हें लेने गए थे। सुदामा अपने मित्र द्वारा भव्य स्वागत देखकर दंग रह गए थे। ऐसे में श्री कृष्ण ने सुदामा से पूछा कि आखिर भाभी ने मेरे लिए क्या भेजा हैं? लेकिन केवल कच्चे चावल लाने के कारण वह शर्मिंदा हो गए और वह अपने मित्र को न दे सके। लेकिन श्री कृष्ण के जिद करने पर उन्हें वह चावल की पोटली उनके तरफ बढ़ा दी। श्री कृष्ण ने बिना संकोच किए उन चावलों को खा लिया। इसके साथ ही सुदामा से इतने साल बाद आने का कारण पूछा। तो उन्होंने संकोच में अपने मित्र को कुछ नहीं बताया। इसके बाद वह अपने मित्र श्री कृष्ण के पास कुछ जिन रहकर बिना कुछ मांगे अपने घर की ओर निकल गए। लेकिन जैसे ही वह अपने घर के पास पहुंचे, तो वह अचंभित हो गए कि उनकी झोपड़ी की जगह इतना भव्य महल बना हुआ है, जिससे उन्हें लगा कि वह रास्ता भटक गए है। जैसे ही सुदामा की पत्नी को पता चला कि उनके पति आए है, तो वह खुद द्वार में उनके आदर के लिए पहुंची। गहनों से लदी अपनी पत्नी को देख वह कहने लगे कि देवी शायद में गलत जगह आ गया हूं। तब पत्नी ने पूरी घटना बताई। जब सुदामा को

इस बात का अहसास हुआ कि यह उन्हीं का महल है, तो वह भाव विभोर हो गए कि अपने परम मित्र से बिना कुछ कहें उन्होंने सबकुछ पा लिया। अक्षय तृतीया के दिन सिद्धि योग और रोहिणी नक्षत्र होने के साथ ही मध्याह्न काल में चंद्रमा वृषभ राशि में रहेंगे। अक्षय तृतीया के अवसर पर एक आसान उपाय कर सकते है, जिससे पूरे साल घर में अन्न की कमी नहीं रहेगी।

अक्षय तृतीया के दिन पीतल के एक बर्तन में गाय का दूध रख लें और उसमें चावल, शक्कर डालकर खीर बना लें। उसके बाद मां अन्नपूर्णा को उस खीर का भोग लगाएं। फिर घर के लोगों को खीर का प्रसाद दें।बाद में उस बर्तन में गेहूं या चावल भरकर रख दें व उसे खाली न करें। इस उपाय से घर में पूरे साल अन्न की कमी नहीं होगी,साथ ही परिवार में सुख और शांति होगी।

अक्षय तृतीया के दिन मां आदिशक्ति को बाल्यकाल में कुछ ऋषियों से अक्षय पात्र प्राप्त हुआ था। उन्होंने देवी को आशीर्वाद दिया था कि अक्षय पात्र में जो भी अन्न रखा जाएगा, वह कभी खत्म नहीं होगा। भगवान शिव ने धरती पर जीवों के पोषण के लिए मां अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगी थी, तब उन्होंने उनको अन्न दान किया था, जिससे उनके भी प्राण बचे। मां अन्नपूर्णा को देवी पार्वती का स्वरूप माना जाता है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

कोविड वैक्सीन पर भारत की चुप्पी आश्चर्यजनक

(लेखक- सनत जैन)

कोविड महामारी के दौरान सबसे ज्यादा वैक्सीन भारत में लगाई गई हैं। अनिवार्य रूप से 175 करोड़ डोज भारतीय नागरिकों को पहले और दूसरे टीके के रूप में लगाए गए हैं। ब्रिटेन की मुख्य फार्मा कंपनी एस्ट्राजोन ने हाईकोर्ट की फटकार के बाद वैक्सीन को बाजार से वापस मंगाना शुरू कर दिया है। भविष्य में इसके उत्पादन को बंद करने की बात कंपनी ने कही है। कंपनी ने स्वीकार किया है, वैक्सीन लगने के बाद खून का थक्का जमने और प्लेटलेट काउंट कम होने की शिकायत जांच में सही पाई गई है। कंपनी ने यह वैक्सीन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर तैयार की थी। आपदा में अवसर की खोज में भारत इसके लिए सबसे बड़ा बाजार था। सारी दुनिया में सबसे ज्यादा वैक्सीन बहुत कम समय में भारत में लगाई गई हैं। भारत सरकार द्वारा अनिवार्य किए जाने और निशुल्क प्रदाय किए जाने के कारण भारत में सबसे ज्यादा कोविशील्ड वैक्सीन लगी हैं। भारत में सिरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया ने इसी वैक्सीन का कोविशील्ड के नाम से भारत में उत्पादन किया। भारत सरकार को करोड़ों डोज वैक्सीन सप्लाई की। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लाभ सीरम इंस्टीट्यूट ने उठाकर अरबों खरबों रुपए की कमाई भारत सहित गरीब और विकसित देशों मैं वैक्सीन को बेचकर की है। भारत सरकार द्वारा वैक्सीन को अनिवार्य किए जाने के बाद और कंपनी द्वारा किए गए झूठे वादे को सारी दुनिया ने सच मान लिया था। भारत सरकार ने अपने स्तर पर कहा था, कि सरकार ने वैक्सीन की जांच कर ली है। यह पूर्ण रूप से सुरक्षित है। इस कंपनी ने बड़ी मात्रा में कोविशील्ड वैक्सीन सप्लाई की। वर्तमान स्थिति में यूरोप की दवा नियामकसंस्था, यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी ने 27 देशों में इस वैक्सीन को प्रतिबंधित कर दिया है। सभी 27 देशों से इस वैक्सीन को वापस बुलाया जा रहा है। लंदन की अदालत में जब कंपनी द्वारा स्वयं स्वीकार कर लिया गया है, कि इस वैक्सीन से दुष्प्रभाव भी संभव है। ब्रिटेन में जो दुष्प्रभाव देखने को मिले हैं। उसी एस्ट्राजेनका के फार्मूले पर सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा वैक्सीन तैयार की गई थी। उसी वैक्सीन के सबसे ज्यादा घातक परिणाम ब्रिटेन में देखने को मिले हैं। सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा भारत सरकार को धोखे में रखा गया। कंपनी ने सरकार से यह अनुमति भी ले ली थी, यदि उनकी वैक्सीन से मरीज को कोई नुकसान होगा, तो उसकी भरपाई कंपनी द्वारा नहीं की जाएगी। भारत सरकार ने कंपनी की इस शर्त पर सहमति दी। कोविशील्ड वैक्सीन को बड़ी मात्रा में भारत सरकार ने भारतीय नागरिकों को टीकाकरण अभियान के तहत अनिवार्य रूप से लगाया गया है। जिन लोगों ने वैक्सीन नहीं लगवाई थी, उन्हें बस ट्रेन और हवाई जहाज में बैठने की अनुमति नहीं होती थी। सार्वजनिक स्थलों पर जाने की अनुमति नहीं होती थी। सबके लिए वैक्सीन को अनिवार्य किया गया था। वैक्सीन लगवाने का प्रमाण अपने साथ लेकर चलने के निर्देश नागरिकों को दिए गए थे। कोविड वैक्सीन को लेकर सारी दुनिया मैं चिंता देखी जा रही है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार ने इस मामले में कोई पहल नहीं की है। कोविड के दौरान जो मौतें हुई थी। उसके आंकड़े भी छिपाए जाने का आरोप सरकार के ऊपर लगता है। उस समय किसी भी मृतक का पोस्टमार्टम नहीं किया गया। वर्तमान में साइलेंट अटैक से हजारों मौतें भारत में हो रही हैं। लोगों में भय फैलता चला जा रहा है। भारत का स्वास्थ्य मंत्रालय और भारत सरकार की चुप्पी सभी को आश्चर्य में डाल रही है। सीरम इंस्टीट्यूट एवं अन्य दवा कंपनियों द्वारा भारतीय जनता पार्टी को अरबों रुपयों का चंदा दिया गया है। यह बात सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जब चुनावी बांड का डाटा सार्वजनिक हुआ। तब यह बात सामने आई है। जिसके कारण लोगों की चिंता और भय बढ़ गया है। अब तो सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय को इस मामले में जांच की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। वैक्सीन लगने से जो नुकसान हुआ है। यदि उसका कोई एंटीडोज है, अथवा जान बचाने के और कई विकल्प हो सकते हैं। इस दिशा में कार्रवाई की जानी चाहिए थी। जिससे लोगों की जान को खतरा न हो। इस दिशा में अभी तक भारत सरकार ने कोई प्रयास शुरू नहीं किया है। इससे आम नागरिक बहुत चिंतित है। सरकार को इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई करने की जरूरत है। ब्रिटेन की हाईकोर्ट में जो खुलासा हुआ है, उसके बाद भारत पर सबसे ज्यादा दहशत देखने को मिल रही है। सरकार और न्यायपालिका को इस दिशा में सजग होने की जरूरत है।

चीन का निर्यात और आयात अप्रैल में बढ़ा

हांगकांग । चीन के निर्यात और आयात में अप्रैल में फिर से बढोतरी देखी गई है। यह दर्शाता है कि असमान आर्थिक सुधार के बावजूद मांग में सुधार हो रहा है। सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में निर्यात सालाना आधार पर 1.5 प्रतिशत बढ़ा। मार्च में इसमें 7.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी जो नवंबर के बाद पहली गिरावट थी। अप्रैल में आयात में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो विश्लेषकों की उम्मीदों से अधिक है और मार्च में 1.9 प्रतिशत की गिरावट से ऊपर है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन ने वृद्धि को बढ़ावा देने तथा विश्वास बढ़ाने के लिए हाल के महीनों में विभिन्न नीतिगत समर्थन उपाय पेश किए हैं। चीन का व्यापार अधिशेष मार्च के 58.55 अरब डॉलर से बढ़कर अप्रैल में 72.35 अरब डॉलर हो गया। कैपिटल इकोनॉमिक्स की जिचुन हुआंग ने एक नोट में कहा कि हमारा अनुमान है कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में उपभोक्ता खर्च में कमी और कम निर्यात कीमतों से मिलने वाले लाभ में कमी के कारण आने वाले महीनों में निर्यात की मात्रा कम चीन को कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद से वापसी करने में संघर्ष करना पड़ा है। उसे फेडरल रिज़र्व और अन्य केंद्रीय बैंकों के मुद्रास्फीति से निपटने के लिए ब्याज दरें बढ़ाने के बाद वैश्विक स्तर पर कमजोर मांग से जूझना पड़ा है। चीन के संपत्ति क्षेत्र में मंदी भी वृद्धि पर असर डाल रही है। नीति निर्माताओं ने चीन की अर्थव्यवस्था को बल देने के लिए कई राजकोषीय और मौद्रिक नीति उपाय किए हैं।चीन ने 2024 के लिए पांच प्रतिशत का महत्वाकांक्षी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि लक्ष्य रखा है।

डीएलएफ ने गुरुग्राम में बेचे 5,590 करोड़ में सभी लग्जरी फ्लैट

नई दिल्ली । रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ ने मजबूत उपभोक्ता मांग के दम पर गुरुग्राम में अपनी नई लक्जरी आवासीय परियोजना के सभी 795 अपार्टमेंट पेश किए जाने के तीन दिन के भीतर 5,590 करोड़ रुपये में बेच दिए। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि परियोजना डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट ने तीन दिन के भीतर करीब 5,590 करोड़ रुपये मूल्य की उल्लेखनीय बिक्री हासिल की। यह नई परियोजना 12.57 एकड़ में फैली है जिसमें 795 अपार्टमेंट हैं। एक अपार्टमेंट की कीमत करीब सात करोड़ रुपये है। इस साल जनवरी में कंपनी ने गुरुग्राम में अपनी परियोजना डीएलएफ प्रिवाना साउथ के भी 1,113 लक्जरी अपार्टमेंट पेश होने के तीन दिन के भीतर 7,200 करोड़ रुपये में बेचे थे। वह परियोजना 25 एकड़ में फैली हुई थी। 'डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट और डीएलएफ प्रिवाना साउथ दोनों ही हरियाणा के गुरुग्राम में सेक्टर 76 और 77 में स्थित 116 एकड़ में फैली टाउनशिप डीएलएफ प्रिवाना का हिस्सा हैं। सूत्रों के अनुसार, डीएलएफ को करीब 1,550 और 1,600 ग्राहकों से रुचि पत्र (ईओआई) मिले जो इस नई परियोजना में पेश की जा रही कुल इकाइयों का करीब दोगुना है। यह अल्ट्रा-लक्जरी मकानों की उच्च मांग को दर्शाता है।

जेपी मॉर्गन के इंडेक्स में शामिल होंगे भारतीय बांड

- निजी क्रेडिट बाजार को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई । जेपी मॉर्गन चेज़ एंड कंपनी के बॉन्ड इंडेक्स में भारत के शामिल होने से देश के निजी क्रेडिट बाजारों को फायदा होगा क्योंकि निवेश के लिए बेंचमार्क प्रदान करके भारत ज्यादा फंड के फ्लो का आकर्षित कर सकता है। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में बीपीईए क्रेडिट ने यह अनुमान जताया है। बीपीईए क्रेडिट के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह समावेश देश के 1.2 ट्रिलियन डॉलर के सरकारी ऋण बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जिसमें अन्य परिसंपत्ति वर्गों पर भी प्रभाव पड़ेगा। एक बार 28 जून को परिवर्तन प्रभावी हो जाएगा, तो सिंगापुर, कोरिया या अमेरिका में निवेश के साथ भारतीय क्रेडिट फंड के प्रदर्शन की तुलना करना आसान हो जाएगा। यह उन विदेशी निवेशकों के लिए एक संदर्भ बिंदु देता है जो सॉवरेन और कॉरपोरेट बॉन्ड और अन्य परिसंपत्ति वर्गों दोनों को देखते हैं। अधिकारी ने कहा कि 2011 में स्थापित बीपीईए क्रेडिट ने भारत में 1 अरब से ज्यादा का निवेश किया है। निवेशकों ने पहले ही इंडेक्स में शामिल होने के योग्य सॉवरेन बॉन्डों में अरबों डॉलर का निवेश कर दिया है, जिससे कॉर्पोरेट नोटों पर यील्ड कम करने में मदद मिली है।

अक्षय तृतीया पर अच्छी रह सकती है सोने के आभूषणों, सिक्कों की मांग

नई दिल्ली ।

दुनिया के कई देशों में तनाव के बीच मजबूत मांग, निवेशकों की सकारात्मक धारणा और रिटर्न को देखते हुए इस अक्षय तृतीया पर पिछले साल की तुलना में करीब 14 फीसदी अधिक सोना बिकने की उम्मीद है। इस बार देशभर में 25 टन तक सोना बिक सकता है। बाजार के जानकारों ने बताया` कि इस अक्षय तृतीया सोने की मांग बढ़ने की कई वजहें हैं। मसलन, देश की आर्थिक स्थिति मजबूत है। सोने की कीमतें अपने उच्च स्तर से थोड़ी नीचे आई हैं और पिछले 15 दिनों में बड़ा उतार-चढ़ाव नहीं दिखा है। खास बात है कि अक्षय तृतीया पर भारतीय सोना खरीदना शुभ मानते हैं। इन कारकों को देखते हुए उम्मीद है कि इस बार देशभर में 25 टन तक सोना बिक सकता है। पिछली अक्षय तृतीया पर 22 टन सोना बिका था। अक्षय तृतीया का त्योहार 10 मई को मनाया जाएगा। इस बार अक्षय तृतीया के साथ शादियों का सीजन नहीं है। अगले दो महीनों तक देश में कम शादियां होंगी, जिससे दुल्हन के लिए भारी आभूषणों की मांग नहीं दिख रही है। निवेश संबंधी जरूरतों को पूरा करने और आध्यात्मिक भरोसे के लिए इस बार लोग हल्के आभूषण खरीदेंगे। उन्होने कहा कि दुनिया के

कई हिस्सों में तनाव, ब्याज दर में कटौती टलने के संकेत और पिछले दो साल में अक्षय तृतीया पर मिले 19.26 फीसदी तक के रिटर्न को देखते हुए इस समय सोने में निवेश अच्छा फैसला होगा। सोना अगले साल अक्षय तृतीया पर 80,000 का स्तर छू सकता है।

भारत इंटरनेट मामले में टॉप 20 देशों में शामिल

- चीन से चंद फासला, पाक कोसों दूर

नई दिल्ली । करीब 10 साल पहले जब मोबाइल इंटरनेट स्पीड में भारत और पाकिस्तान दोनों ही देश टॉप 100 देशों की लिस्ट से बाहर हुआ करते थे। लेकिन इन 10 साल में भारत ने मोबाइल और ब्रॉडबैंड इंटरनेट स्पीड के मामले में लंबी छलांग लगाते हुए टॉप 20 देशों की लिस्ट में शामिल हो गया है, और अब भारत चीन से बस चंद कदमों की दूरी पर है, जबकि पाकिस्तान अभी भी टॉप 100 की लिस्ट से बाहर है। उकला की ग्लोबल इंटनरेट स्पीड रैकिंग की बात करें, तो मार्च 2024 में भारत मोबाइल इंटरनेट स्पीड रैकिंग में 16वें पायदान पर पहुंच गया है। भारत ने फरवरी 2024 के मुकाबले मार्च 2024 के मुकाबले एक पायदान का इजाफा किया है। चीन भारत से चंद कदम दूर 7वें पायदान पर है। हालांकि चीन की मोबाइल इंटरनेट रैकिंग में पिछले माह के मुकाबले एक पायदान की गिरावट दर्ज की गई है। अगर बात पड़ोसी देश पाकिस्तान की करें, तो पाकिस्तान पिछले माह के मुकाबले मार्च 2024 में 5 पायदान गिरकर 127वें पायदान पर पहुंच गया है।

गूगल सीईओ की क्लासमेट ने कड़ी मेहनत से किए अपने सपने साकार

- 2020 में संभाली टिंडर की कमान

नई दिल्ली । शर्मिष्ठा दुबे जमशेदपुर की रहने वाली हैं। लोयोला स्कूल में पढ़ाई के बाद उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर से बीटेक किया। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई उनके क्‍ लासमेट थे। वह उस बैच में अकेली महिला थीं। हाल में सोशल मीडिया पर आईआईटी खड़गपुर दीक्षांत समारोह के उन दिनों की एक तस्वीर भी वायरल हुई थी जिसमें शर्मिष्ठा पिचाई के साथ दिखती हैं। यह तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अनन्या लोहानी नाम की एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने शेयर की थी। उनके पिता आईआईटी, खड़गपुर में सुंदर पिचाई के ही बैच में थे। शर्मिष्ठा दुबे कई लोगों को प्रेरित करती हैं। वह इस बात का उदाहरण हैं कि कड़ी मेहनत और समर्पण से हर सपने को साकार किया जा सकता है। दुबे ने 1998 में टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स में इंजीनियर के तौर पर काम करते हुए अपने पेशेवर सफर की शुरुआत की। उसके बाद वह सप्लाई चेन मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर कंपनी i2 टेक्नोलॉजीज में शामिल हो गईं। साल 2006 में शर्मिष्‍ ठा दुबे मैच डाट कॉम से जुड़ गईं। उन्होंने यहां मैच ग्रुप अमेरिका की प्रेसीडेंट, चीफ प्रोडक्‍ ट ऑफिसर और द प्रिंसटन रिव्यू की ईवीपी जैसी कई भूमिकाओं में काम किया। दुबे ने 2013-2014 तक ट्यूटर डाट कॉम लिए इवीपी के रूप में भी सेवाएं दीं। 2017 में शर्मिष्ठा को टिंडर का सीओओ नियुक्त किया गया। फिर मार्च 2020 में वह इसकी सीईओ बन गईं। कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के इस समूह का नेतृत्व किया।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1062 अंक , निफ्टी 335 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आई है। इसके साथ ही निवेशकों के बीच बढ़ी अनिश्चितता और तिमाही परिणामों में कंपनियों के खराब प्रदर्शन से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे पहले आज सुबह बाजार की सीमित दायरे में शुरुआत हुई पर कारोबार आगे बढ़ने के बाद इसमें तेजी से गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1062.22 अंक करीब 1.45 फीसदी नीचे आकर 72,404.17 अंक पर पहुंच गया। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 335.40 अंक तकरीबन 1.5 फीसदी टूटकर 21,967.10 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद मामूली गिरावट लेकर बंद हुआ था।

निवेशकों को तकरीबन 7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

कारोबार के दौरान बाजार में आई इस गिरावट से निवेशकों को तकरीबन 7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बाजार पूंजीकरण भी घटा है। इससे भी निवेशकों को नुकसान हुआ है। गत दिवस बीएसई का कुल बाजार पूंजीकरण 400.69 लाख करोड़ रुपये था जो घटकर 393.68 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इस तरह निवेशकों को तकरीबन 7.01 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

आज कारोबार के दौरान लार्सन एंड टुब्रो के शेयर सबसे अधिक 5 फीसदी से ज्यादा गिरे। वहीं एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावर ग्रिड के शेयर भी नीचे आये।

दूसरी ओर टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस और एचसीएल टेक और बंधन बैंक व एमएंडएम के शेयर लाभ के साथ बंद हुए।

आज एशियाई बाजारों में, शंघाई और हांगकांग लाभ के साथ बंद हुए, जबकि सियोल और टोक्यो के शेयरों में गिरावट रही। यूरोपीय और अमेरिकी बाजार में मिला-जुला कारोबार हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गत दिवस 6,669.10 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 175 अंकों की गिरावट के साथ ही 73,290 के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा था। वही निफ्टी 50, 57 अंक फिसलकर 22,245 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

निवेश सलाहकार साल में दो बार दें सोशल मीडिया की डिटेल: सेबी

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने निवेश सलाहकारों के लिए समयबद्ध रिपोर्टिंग का एक फॉर्मेट जारी किया। इसमें सलाहकारों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के बारे में भी बताने को कहा गया है। इसमें बताया गया है कि सलाहकारों को फेसबुक, ट्विटर और दूसरे सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अपनी मौजूदगी के बारे में साल में दो बार डिटेल देनी होगी। सेबी के नए फॉर्मेट के तहत उन्हें अपने सोशल मीडिया हैंडल, अडवाजरी चार्ज लेने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक अकाउंट, एनआईएसएम सर्टिफिकेशन की डिटेल, सेबी द्वारा किए गए पिछले निरीक्षण के बारे में जानकारी, आधे साल में जारी किए गए विज्ञापनों का ब्योरा देना होगा। हालांकि, सेबी खुद सोशल मीडिया पर निवेश सलाहकारों की गतिविधियों पर नजर रखता है। लेकिन, अब उसने सोशल मीडिया पर गतिविधियों के डिसक्लोजर को अनिवार्य बना दिया है। ऐसा नहीं करने वाले निवेश सलाहकारों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। अपने नियम में संशोधन करते हुए सेबी ने कहा कि अगर कर्मचारियों की ओर से कोई भी भ्रष्ट गतिविधि सामने आती है तो उनसे ही इसकी भरपाई की जाएगी। यह भरपाई कर्मचारियों के वेतन और उन्हें मिलने वाली अन्य रकम से की जा सकती

है। सेबी के अनुसार किसी कर्मचारी के खिलाफ शुरू की गई कार्रवाई के पेंडिंग रहने के दौरान संबंधित कर्मचारी को मिलने वाली ग्रेच्यूटी को पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से रोका जा सकता है।

सौर ऊर्जा उत्पादन मामले में भारत तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा उत्पादन मामले में भारत बीते साल जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बन गया है। वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में काम कर रहे शोध संस्थान एंबर की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। भारत 2015 में सौर ऊर्जा के उपयोग के मामले में नौवें स्थान पर था। ग्लोबल इलेक्ट्रिसिटी रिव्यू शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 में वैश्विक बिजली उत्पादन का 5.5 प्रतिशत सौर ऊर्जा के रूप में हुआ। वैश्विक रुख के अनुरूप भारत ने पिछले साल कुल बिजली उत्पादन का 5.8 प्रतिशत सौर ऊर्जा से प्राप्त किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि हरित बिजली क्षमता बढ़ाना सिर्फ बिजली क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए नहीं है। बल्कि अर्थव्यवस्था में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने और आर्थिक वृद्धि को उत्सर्जन से अलग करने के लिए भी इसकी आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, सौर ऊर्जा ने लगातार 19वें वर्ष दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बिजली स्रोत के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखा है। बीते वर्ष दुनियाभर में कोयले की तुलना में इस स्वच्छ ऊर्जा स्रोत से दोगुने से अधिक बिजली जोड़ी गई। भारत में 2023 में सौर ऊर्जा उत्पादन में जो वृद्धि है, वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वृद्धि थी। भारत इस मामले में चीन, अमेरिका और ब्राजील से पीछे रहा। इन चारों देशों की सौर ऊर्जा वृद्धि में हिस्सेदारी 2023 में 75 प्रतिशत रही।

विदेश से पैसा भेजने के मामले में भारतीयों ने बनाया नया रिकॉर्ड

- भारत को साल 2022 में रेमिटेंस के रूप में 111 अरब डॉलर मिले

नई दिल्ली ।

विदेश से पैसा भेजने के मामले में भारतीयों ने नया रेकॉर्ड बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने कहा कि भारत को साल 2022 में रेमिटेंस के रूप में 111 अरब डॉलर मिले। यह दुनिया में सबसे अधिक है। इसी के साथ भारत 100 अरब डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला दुनिया का पहले देश बन गया है। भारत के 1.8 करोड़ लोग विदेशों में काम करते हैं। इनमें से यूएई, अमेरिका और सऊदी अरब में भारतीय प्रवासियों की बड़ी संख्या है। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने मंगलवार को जारी अपनी वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट, 2024 में कहा कि 2022 में रेमिटेंस प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच देशों में भारत, मेक्सिको, चीन, फिलीपीन और फ्रांस शामिल हैं। रेमिटेंस का मतलब प्रवासियों द्वारा मूल देश में मित्रों और रिश्तेदारों को भेजे गए पैसों से है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले में भारत सबसे ऊपर ऊपर रहा। उसे 111 अरब डॉलर से अधिक धनराशि मिली, जिसके साथ ही वह 100 अरब डॉलर तक पहुंचने और बल्कि इस आंकड़े को पार करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। मेक्सिको 2022 में रेमिटेंस के मामले में दूसरे नंबर पर रहा। यह स्थान उसने 2021 में चीन को पीछे छोड़कर हासिल किया था। इससे पहले तक चीन भारत के बाद ऐतिहासिक रूप से प्रेषित धन प्राप्त करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश रहा है। रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, भारत 2010 (53.48 अरब डॉलर), 2015 (68.91 अरब डॉलर) और 2020 (83.15 अरब डॉलर) में भी रेमिटेंस के मामले में टॉप पर रहा। उसे 2022 में 111.22 अरब डॉलर का प्रेषित धन मिला। दक्षिण एशिया में तीन देश भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश रेमिटेंस पाने वाले टॉप 10 देशों में रहे। पाकिस्तान और बांग्लादेश 2022 में क्रमश~ करीब 30 अरब डॉलर और 21.5 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला। पाकिस्तान छठे और बांग्लादेश आठवें नंबर पर रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सबसे अधिक प्रवासी भी भारतीय मूल हैं। कुल संख्या देश की कुल आबादी का करीब 1.3 प्रतिशत या 1.8 करोड़ है। उसकी ज्यादातर प्रवासी आबादी संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देशों में रह रही है।

होंडा सभी कारों पर दे रही 1.15 लाख तक का फायदे ऑफर

-होंडा भारत में बेच रही है फिलहाल तीन ही कारें

नई दिल्ली ।

भारत में होंडा कंपनी अपनी सभी कारों पर 1.15 लाख रुपये तक का फायदे ऑफर कर रही है। कंपनी ने अपने इस ऑफर को सीमित समय का ऑफर कहा है। होंडा भारत में फिलहाल तीन ही कारें बेच रही है, एलीवेट, अमेज़, और सिटी। इन तीनों में से सबसे बड़ा ऑफर होंडा सिटी पर दिया जा रहा है, जबकि एलीवेट का ऑफर इसके सामने काफी बौना नजर आता है। होंडा सिटी फिफ्थ जेनरेशन पर 1,14,500 रुपये के फायदे मिल रहे हैं। जेडएक्स वेरिएंट पर 25,000 रुपये का डिस्काउंट या 26,947 रुपये की असली असेसरीज़ और एक्सचेंज पर 25,000 रुपये का डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। होंडा 20,000 रुपये का कैश डिस्काउंट या 21,396 रुपये की असेसरीज़ और कार एक्सचेंज पर 20,000 रुपये का बोनस भी ऑफर कर रही है। वी एमटी, वी सीवीटी, और वीएक्स एमटी वेरिएंट 10,000 रुपये के डिस्काउंट पर उपलब्ध हैं या 10,897 रुपये की असेसरीज़ ली जा सकती हैं। साथ ही 10,000 रुपये का कार एक्सचेंज बोनस भी दिया गया है। 4,000 रुपये कस्टमर लॉयल्टी बोनस के साथ-साथ 6,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस भी है। 8,000 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट और 20,000 रुपये का स्पेशल कॉर्पोरेट डिस्काउंट दिया जा रहा है। एलीगेंट एडिशन पर 36,500 रुपये के फायदे दिए जा रहे हैं।इस लिमिटेड-पीरियड सेलिब्रेशन ऑफर के तहत सिटी हाइब्रिड के सभी वेरिएंट्स पर 65,000 रुपये का कैश डिस्काउंट दिया जा रहा है। हाइब्रिड सेडान को फिलहाल दो ही वेरिएंट में बेचा जा रहा है - वी और झेडएक्स। कीमत 19 लाख और 20.50 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। होंडा एलिवेट को 55,000 रुपये के बेनिफिट्स के साथ बेचा रहा रहा है। होंडा अमेज़ के ई वेरिएंट पर 10,000 रुपये का डिस्काउंट या 12,349 रुपये की असेसरीज़ ऑफर की जा रही हैं। बाकी के वेरिएंट्स पर 20,000 रुपये का कैश डिस्काउंट या 24,346 रुपये की असेसरीज़ ऑफर की जा रही हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा को बॉब वर्ल्ड से नए ग्राहक जोड़ने की मिली अनुमति

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंक ऑफ बड़ौदा को करीब सात महीने बाद बॉब वर्ल्ड एप्लिकेशन के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने की अनुमति दे दी। आरबीआई ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक को उसके मोबाइल ऐप बॉब वर्ल्ड के जरिये नए ग्राहक जोड़ने से 10 अक्टूबर, 2023 को रोक दिया था। यह कदम कुछ सुपरवाइजरी चिंताओं के बाद उठाया गया था। पिछले सप्ताह आरबीआई ने ईकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के जरिये कर्ज देने पर बजाज फाइनेंस पर भी प्रतिबंध हटा दिया था। बैंक ऑफ बड़ौदा ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा कि हम सूचित करना चाहते हैं कि आरबीआई ने आठ मई, 2024 के अपने पत्र के माध्यम से बैंक को बॉब वर्ल्ड पर उपरोक्त उल्लिखित प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से हटाने के अपने निर्णय से अवगत कराया है। बैंक अब लागू दिशानिर्देशों और मौजूदा कानूनों या विनियमों के अनुरूप इस ऐप के जरिये ग्राहकों को जोड़ने के लिए स्वतंत्र है। बैंक ने कहा कि अब वह बॉब वर्ल्ड ऐप पर नए ग्राहकों को शामिल करना दोबारा शुरू कर देगा। इसके साथ ही उसने कहा कि वह नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

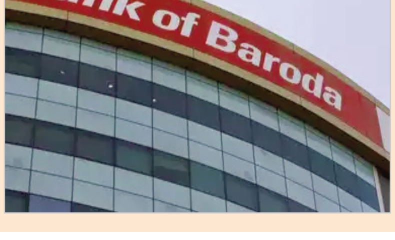

रेखा झुनझुनवाला की नेटवर्थ में 2300 करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली ।

पिछले चार कारोबारी सत्रों में घरेलू शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। टाइटन समेत कई हाई क्वालिटी शेयर भी बाजार के इस उतार-चढ़ाव से अछूते नहीं रहे। दिवंगत निवेशक राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला के निवेश पोर्टफोलियो में भी टाइटन शामिल है। यह टाटा ग्रुप की कंपनी है। टाटा ग्रुप के इस शेयर में एक महीने के भीतर लगभग 497 रुपये की गिरावट देखने को मिली है। सिर्फ एक शेयर के कारण रेखा झुनझुनवाला की नेटवर्थ में 2300 करोड़ रुपये से ज्‍ यादा की कमी आई है। टाइटन का भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में निवेश होने के कारण उसकी नेटवर्थ में भी 772 करोड़ रुपये से ज्‍ यादा की गिरावट देखी गई है। 31 मार्च, 2024 तक रेखा झुनझुनवाला के पास टाइटन कंपनी में 5.35 फीसदी हिस्सेदारी थी। चौथी तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद से ही इस शेयर में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। कंपनी ने चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। यह 734 करोड़ रुपये से बढ़कर 786 करोड़ रुपये हो गया।

तिमाही के लिए राजस्व 17 फीसदी बढ़कर 10,047 करोड़ रुपये हो गया। विश्लेषकों के मुताबिक, सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव और बढ़ती प्रतिस्पर्धी का टाइटन पर असर पड़ सकता है। टाइटन के शेयर की कीमत एनएसई पर 3,749 रुपये से घटकर 3,252 रुपये हो गई है। एक सप्ताह में इसे 497 रुपये का नुकसान हुआ है। एलआईसी के पास टाइटन के 1,57,73,161 शेयर हैं, जो कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 1.78 फीसदी है। टाइटन की शेयर कीमतों में कमी के कारण एलआईसी की नेटवर्थ में लगभग 784 करोड़ रुपये की कमी आई है।

आईपीएल में गुजरात टाइटंस और सीएसके में मुकाबला आज

– प्ले ऑफ की संभावनाओं बनाये रखने जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो ही टीमें

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल के 59 मैच में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला करेगी। ये मैच सीएसके और गुजरात टाइटंस दोनो के बीच अहम मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो चेन्नई के अब तक 11 मैचों में 12 अंक है और ऐसे में गुजरात के खिलाफ जीत से वह प्लेआफ में अपनी जगह पक्की कर सकती है पर हार से उसकी संभावनाएं कम होंगी। सीएसके ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में जीत दर्ज की थी जिससे उसका हौंसला बढ़ा है। टीम ने 167 रन बनाने के बाद भी अपने स्कोर का सफलता से बचाव कर लिया। उससे उसके गेंदबाजों का हौंसला बढ़ा है। वहीं दूसरी ओर गुजरात की टीम को अपने पिछले पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इसका लाभ भी सीएसके को मिलेगा।

इस मैच में अगर सीएसके जीत दर्ज करती है तो वह अंकतालिका में सनराइजर्स हैदराबाद से ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच जायेगी। अभी तक जिन तीन टीमों के 12 अंक हैं , उनमें सीएसके का रन रेट सबसे अच्छा है। जिसका भी लाभ उसे मिलेगा। वहीं अपने घरेलू मैदान पर खेल रही गुजरात के भी 14 अंक हैं और वह प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है हालांकि इसक बाद भी उसकी राह आसान नहीं है। पिछले पांच मैचों में से चार में उसे हार मिली है। जिससे टीम दबाव में रहेगी। टीम का गेंदबाजी आक्रमण भी कमजोर है।

कप्तान शुभमन भी पिछले तीन मैचों से रन नहीं बना पा रहे हैं। इसके अलावा साई सुदर्शन, शाहरूख खान और डेविड मिलर का प्रदर्शन

भी कमजोर रहा है। वहीं उसके गेंदबाज मोहित शर्मा और जोश लिटिल भी प्रभावहीन रहे हैं। उसके स्टार स्पिनर राशिद खान और नूर अहमद भी अब तक विकेट नहीं ले पाये हैं। वहीं दूसरी ओर चेन्नई के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी और कप्तानी की है। उन्होंने 11 मैचों में 541 रन बनाये हैं। सीएसके इस सत्र में अपने कई अच्छे खिलाड़ियों के चोटिल होने से भी मुश्किल में है। गेंदबाजी ऑलराउंडर दीपक चाहर और तेज गेंदबाज मथीषा पथिराना चोटों के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं जबकि एक अन्य तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान स्वदेश लौट गये हैं। टीम को अब युवा तेज गेंदबाजों के अलावा स्पिनर रविंद्र जडेजा, मिशेल सेंटनेर और मोईन अली से ही काम चलना होगा। टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी को भी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण निचले क्रम पर उतरना पड़ रहा है। ऐसे में वह टीम के लिए ज्यादा कुछ नहीं कर पायेंगे।

टीम

चेन्नई सुपर किंग्स- ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), अरावेली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिशेल सैंटनर, निशांत सिंधु , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मथीशा पाथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शार्दुल ठाकुर, महेश तीक्ष्णा और समीर रिजवी।

गुजरात टाइटंस- शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुतार।

नीरज चोपड़ा को लग्जरी वॉच ब्रांड ओमेगा ने बनाया ब्रांड एम्बेसडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को स्विट्जरलैंड के घड़ियों के लग्जरी ब्रांड ओमेगा ने खेल दूत के रूप में अपने साथ जोड़ा है। ओमेगा इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक का आधिकारिक 'टाइमकीपर' (स्पर्धाओं के समय के लिए उपकरण मुहैया कराने वाला) है।

भारत के इस स्टार खिलाड़ी को शुक्रवार को डाइमंड लीग के पहले चरण में प्रतिस्पर्धा से पहले दोहा में ओमेगा के स्टोर में आमंत्रित किया गया। इस साझेदारी पर बोलते हुए चोपड़ा ने कहा, 'मैं ऐसे प्रतिष्ठित ब्रांड का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं जो ओलंपिक खेलों में टाइमकीपिंग में इतनी बड़ी भूमिका निभाता है।'

चोपड़ा भाला फेंक में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी है। इसके साथ ही वह विश्व चैंपियनशिप में भी अपनी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले एशियाई हैं। ओमेगा 1932 से लगभग सभी ओलंपिक खेलों में आधिकारिक टाइमकीपर रहा है। पेरिस 2024 में ओमेगा 31वीं बार खेलों का आधिकारिक टाइमकीपर होगा।

आईपीएल 2024 : प्लेऑफ से बाहर होने वाली पहली टीम बनी मुंबई इंडियंस

मुंबई (एजेंसी) । सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल लीग मुकाबले में लखनऊ सुपरजाइंट्स को हरा दिया। सनराइजर्स इस जीत के साथ ही 14 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें 16-16 अंक लेकर पहले और दूसरे स्थान पर हैं। सनराइजर्स की जीत के साथ ही मुंबई इंडियंस प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। मुम्बई इसके साथ ही इस सत्र में प्लेऑफ से बाहर होने वाली बनी पहली टीम बन गयी है।

इस सत्र में नये कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ उतरी मुंबई की टीम 12 मैच खेलने के बाद चार मैचों में जीत के साथ ही केवल 8 अंक ही हासिल कर पायी।

अब उसे बाकि दो मैच खेलने हैं। इसमें अगर वह जीत जाती है तो भी उसके 12 अंक ही होंगे और ऐसे में प्लेऑफ के लिए जरुरी न्यूनतम अंक तक वह पहुंच नहीं पायेगी। प्लेऑफ में पहुंचने शीर्ष चार टीमों में आना होता है।

वहीं अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स आगे पीछे है। इन दोनों की टक्कर आईपीएल के 64वें मैच में होगी। दोनों ही टीमों के पास अभी दो-दो मैच बचे हैं। वहीं अंक तालिका में दोनों के पास 12-12 अंक है। इसका मतलब है कि इन दोनों में से जो भी टीम इस मैच में जीत हासिल करेगी उसके 14 अंक हो जाएंगे। इस तरह मुंबई के लिए अंतिम चार में जगह बना पाना असंभव होगा। सिर्फ दिल्ली और लखनऊ ही नहीं चेन्नई सुपर किंग्स के भी 12 अंक हैं और उसे अभी तीन मैच और खेलना है।

विराट कोहली इस पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, वह विश्व कप पदक के हकदार हैं : युवराज सिंह

मुम्बई(एजेंसी)। भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह ने विराट कोहली को इस पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बताते हुए कहा है कि यह स्टार बल्लेबाज किसी से भी ज्यादा विश्व कप पदक जीतने का हकदार है। कोहली का लक्ष्य आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में बेशकीमती ट्रॉफी हासिल करना है, जहां वह छठी बार प्रतिस्पर्धा करेंगे। टी20 विश्व कप में उनकी पहली उपस्थिति 2012 में हुई, भारत द्वारा इस प्रारूप में अपना एकमात्र खिताब जीतने के पांच साल बाद। कोहली का करियर आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में नई ऊंचाइयों पर पहुंचा, जहां उन्होंने सर्वाधिक रनों का रिकॉर्ड बनाया।

स्टार बल्लेबाज ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता, भले ही उनके बेहतरीन साल उनके पीछे थे और समय के साथ उनके तीन अंकों के स्कोर की आवृत्ति कम हो गई थी। युवराज ने कहा कि 2011 में खिताब जीतने के बाद कोहली एक और विश्व कप पदक के हकदार थे। युवराज ने आईसीसी के साथ बातचीत में कहा, 'उन्होंने निश्चित रूप से इस युग में सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मुझे लगता है कि यह सभी प्रारूपों में इस पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है। मुझे लगता है कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें विश्व कप पदक की

जरूरत है। उनके पास एक पदक है। मुझे यकीन है कि वह एक पदक से संतुष्ट नहीं हैं। मुझे लगता है कि वह निश्चित रूप से इसके हकदार हैं।'

युवराज ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह अपने खेल को अच्छी तरह समझते हैं। वह जानता है कि अगर वह अंत तक टिकेगा, तो वह भारत के लिए मैच जीतेगा और उसने कुछ बड़े मौकों पर ऐसा किया है - ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में भी। वह जानता है कि इन परिस्थितियों में कैसे बल्लेबाजी करनी है, जानता है कि किस गेंदबाज पर आक्रमण करना है, किस गेंदबाज को सिंगल लेना है, कब दोबारा आक्रमण करना है, दबाव को संभालनाऔर जानता है कि कब अपना खेल बदलना है।'

2016 और 2022 को आयोजन के इतिहास में दो बेहतरीन पारियों के लिए याद किया जाता है, कोहली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 टी20 विश्व कप में आया, जब उन्होंने प्रतियोगिता के किसी भी संस्करण में सबसे अधिक रन बनाए। कोहली ने उस वर्ष छह मैचों में चार अर्धशतक बनाए और युवराज ने नॉन-स्ट्राइकर छोर से कुछ पारियां देखीं, ने टूर्नामेंट में उनकी बॉल-स्ट्राइकिंग को 'अविश्वसनीय' बताया।

युवराज ने याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि वह उत्कृष्ट थे। वह अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे। वह गेंद को अविश्वसनीय रूप से हिट कर रहे थे। और मैंने उनके साथ (फाइनल में) एक छोटी सी साझेदारी की और फिर उन्होंने धोनी के साथ बल्लेबाजी की।' कोहली को टी20 में तेजी से आगे बढ़ने में थोड़ी परेशानी हुई, उन्होंने आईपीएल 2024 में 67.75 की औसत और 148.08 की स्ट्राइक रेट से 542 रन बनाए। क्या चीज उसे इतना अनोखा बनाती है? युवराज को इसका जवाब पता है।

युवराज बताते हैं, 'मुझे क्यों लगता है कि वह इतना अच्छा था क्योंकि हर बार नेट्स या अभ्यास की स्थिति में, वह नहीं जाता था और सिर्फ गेंदें स्लॉग करता था। नेट्स में वह हमेशा ऐसी बल्लेबाजी करते थे जैसे वह किसी मैच में बल्लेबाजी कर रहे हों। उन्होंने इसे एक के बाद एक दोहराव के बाद दोहराव में डाला। मैंने कई खिलाड़ियों में ऐसा नहीं देखा है। मुझे लगता है कि यही उनकी सफलता की कुंजी है।'

डायमंड लीग भाला फेंक स्पर्धा आज से , नीरज और जेना उतरेंगे

पेरिस ओलंपिक की तैयारी का मिलेगा अवसर

दोहा । भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और किशोर जेना शुक्रवार से यहां शुरु हो रही डायमंडल लीग स्पर्धा से आगामी पेरिस ओलंपिक की तैयारियां शुरू करेंगे। डायमंडल लीग में विश्व चैम्पियन नीरज का मुकाबला ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और चेक गणराज्य के याकूब वालेश से होगा। वहीं भारत के ही किशोर जेना डायमंड लीग में पहली बार उतरेंगे। एशियाई खेलों में रजत विजेता जैना का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 87 . 54 मीटर है जबकि नीरज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89 . 94 मीटर है। डायमंडल लीग भाला फेंक में यूरोपीय चैम्पियन जर्मनी के जूलियन वेबर भी भाग लेंगे। इस स्पर्धा में शीर्ष दस खिलाड़ी उतरेंगे। इस लीग का दूसरा चरण 19 मई को मोरक्को में शुरु होगा। चोपड़ा ने यहां साल 2023 में वालेश और पीटर्स को हराया था। चोपड़ा ने अपने एक बयान में कहा, '' सफलता टीमवर्क पर निर्भर करती है। मेरे कोच और फिजियो का सफलता में जबरदस्त योगदान है। कोच मेरी तकनीक की समीक्षा करते हैं और बताते हैं कि मेरे अनुकूल क्या होगा।'' वहीं टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता वालेश 2023 डायमंड लीग चैम्पियन है और यहीं पर 2022 में उन्होंने 90 . 88 मीटर का थ्रो फेंका था। चोपड़ा ने डायमंड लीग के तीन अलग अलग चरण जीते हैं और 2022 में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी।

सीएसके को छोड़ना मेरे लिए मुश्किल : पथिराना

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के तेज गेंदबाज श्रीलंका के मथीशा पथिराना आजकल चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। पथिराना ने इस सत्र में टीम की ओर से 6 मैच खेलते हुए 7.88 की इकॉनमी रेट से 13 विकेट लिए हैं। इस क्रिकेटर ने कहा कि अब वह फ्रेंचाइजी को नहीं छोड़ सकते क्योंकि ये उनके जीवन का हिस्सा बन गयी है। मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में पथिराना ने कहा कि फ्रेंचाइजी को बीच में छोड़ना उनके लिए कठिन है क्योंकि सीएसके अब मेरे जीवन का हिस्सा है और बेहद पसंद है। इसके बाद भी फिट नहीं होने के कारण मुझे स्वदेश लौटना होगा। उम्मीद है कि अगले साल एक बार फिर मुलाकात होगी। मुझे अपने प्रशंसकों, सीएसके प्रशंसकों से बहुत प्यार मिला है, इसलिए मैं वास्तव में उन्हें वह प्यार वापस देना चाहता हूं, मैं इस तरह के प्रशंसकों से प्यार करता हूं। उन्होंने साथ ही कहा कि यह मेरे लिए वास्तव में अच्छा सीजन था। मैंने छह मैच खेले और 13 विकेट लिए। मुझे लगता है कि मैंने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की और एक मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार भी हासिल किया। मुझे हर जगह से बहुत सारी चीजें सीखनी हैं। इसलिए, इस सत्र में मैंने कोचिंग स्टाफ से भी बहुत सारी चीजें सीखीं, न केवल कोचिंग स्टाफ से, बल्कि महेन्द्र सिंह धोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से भी। वहीं इससे पहले सीएसके ने घोषणा की थी कि पथिराना हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण स्वदेश लौटेंगे। साथ ही कहा गया था कि सीएसके आईपीएल 2024 के अपने आगामी मैच में शुक्रवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी।

ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की धुआंधार बल्लेबाजी, हैदराबाद 10 विकेट से जीता

–166 मात्र 9.4 ओवर में बनाये

हैदराबाद (एजेंसी) । सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल-2024 के 57वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 10 विकेट से हरा दिया। टीम ने 166 रन का टारगेट 9.4 ओवर में बिना नुकसान के हासिल कर लिया। यह आईपीएल के इतिहास में 150+ स्कोर का सबसे तेज रन चेज है। हैदराबाद की ओर से ट्रैविस हेड ने 30 बॉल पर नाबाद 89 रन बनाए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 28 बॉल पर नाबाद 75 रन की पारी खेली। दोनों ने 166 रन की शतकीय साझेदारी की। दोनों ने मिलकर 16 चौके और 14 छक्के जमाए। लखनऊ के गेंदबाज एक भी विकेट नहीं ले सके।

हैदराबाद के होमग्राउंड राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में लखनऊ ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 165 रन बनाए। स्स्त से आयुष बडोनी ने नाबाद 55 और निकोलस पूरन ने नाबाद 48 रन की पारी खेली। दोनों के बीच 99 रनों की साझेदारी हुई। कप्तान केएल राहुल ने 29 रन बनाए। भुवनेश्वर कुमार ने महज 12 रन देकर 2 विकेट झटके। कप्तान पैट कमिंस को एक सफलता मिली, उन्होंने क्रुणाल पंड्या को रनआउट भी किया।

राहुल पर भड़के टीम मालिका संजीव गोयनका का वीडियो वायरल , प्रशंसक बोले ऐसा व्यवहार सहन नहीं करेंगे , कमेंटेटरों ने भी नाराजगी जतायी

हैदराबाद । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) लीग मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स की सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करारी हार के बाद का वीडियो सामने आया है। जिसमें लखनऊ टीम के मालिक संजीव गोयनका टीम के कप्तान केएल राहुल और कोच जस्टिन लैंगर पर भड़के हुए हैं। वहीं इस दौरान राहुल के पास कोई जवाब नहीं था और वह मालिक की सभी बातें सुनते रहे। इससे प्रशंसक बेहद नाराज हुए और उन्होंने गोयनका को हद में रहने की चेतावनी दे दी। प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर कहा कि टीम मालिक को इस प्रकार का खराब व्यवहार नहीं करन चाहिये। इस वीडियो को देखकर कमेंटेटर भी अपना गुस्सा नहीं रोक पाये और उन्होंने कहा कि कोई भी बातचीत ड्रेसिंग रूम के अंदर बंद कमरे में ही होनी चाहिए। वीडियो में दिख रहा है कि गोयनका राहुल के साथ अपनी इस बातचीत में बहुत गुस्से में थे. यह वीडियो सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफार्म पर वायरल हो गया। वीडियो के वायरल होते ही क्रिकेट प्रशंसकों ने कहा कि गोयनका को मैदान पर इस तरह से व्यवहार नहीं करना चाहिये था जबकि कैमरे उन पर ही लगी थे। जो वीडियो सामने आए हैं उससे क्रिकेट प्रशंसकों को ठेस पहुंची है। सोशल मीडिया यूजर्स ने इन वीडियो को देख कहा कि गोयनका ने जो भी किया वह सही बात नहीं थी। टीम मालिक ने कप्तान ही नहीं कोच लेंगर को भी नहीं छोड़ा।

हॉकी प्रो लीग के यूरोप चरण के लिए भारत की 24 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत सिंह 22 मई से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग के यूरोप चरण में भारत की 24 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। भारत यूरोप चरण में कुल आठ मैच खेलेगा। टीम दो चरण के टूर्नामेंट में अर्जेन्टीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन से दो-दो मैच खेलेगी। पहला चरण 22 से 30 मई तक बेल्जियम के एंटवर्प में होगा जबकि दूसरा चरण लंदन में एक से 12 जून तक खेला जाएगा। यह 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी के लिए काफी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता होगी और मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन को टीम को खेलों के महाकुंभ के लिए तैयार करने का मौका देगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की सरजमीं पर पांच टेस्ट की श्रृंखला में 0-5 की हार के बाद भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। भारत प्रो लीग तालिका में अभी आठ मैच में 15 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

नीदरलैंड 12 मैच में 26 अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया के आठ मैच में 20 अंक हैं। फुल्टोन ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'हम शिविर में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और एक-दूसरे के खेल को लेकर समझ विकसित की है।' उन्होंने कहा, ''पेरिस ओलंपिक से पहले हमें शीर्ष स्तर की टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा जिससे हमें अपने खेल को मजबूत और बेहतर करने में मदद मिलेगी।' कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, 'एफआईएच प्रो लीग में हमें शीर्ष स्तरीय टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों को अनुभव देने के लिए हमने टीम का चयन किया है और इससे मुझे पेरिस ओलंपिक से पहले खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी प्रारूप में देखने को मिलेगा।% मिडफील्डर हार्दिक सिंह को उप कप्तान बनाया गया है।

टीमः गोलकीपर - पीआर श्रीजेश, कृष्ण बहादुर पाठक, डिफेंडर - जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, विष्णुकांत सिंह , मिडफील्डर -विवेक सागर प्रसाद, निलाकांता शर्मा, मनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, राजकुमार पाल, मोहम्मद रहील मौसीन , फॉरवर्ड -मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, आकाशदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंदल और बॉबी सिंह धामी

फीफा विश्व कप 2026 के क्वालीफिकेशन के लिए अभ्यास शिविर दस मई से

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन के दूसरे दौर के मुकाबलों के लिये अभ्यास शिविर दस मई से शुरु होगा। इसमें 26 खिलाड़ी शामिल होंगे। वहीं इसके बाद 15 मई को 14 खिलाड़ी इसमें जुड़ेंगे। वहीं इससे पहले भारतीय सीनियर पुरूष फुटबॉल टीम के मुख्य इगोर स्टिमक ने दूसरे दौर के मुकाबलों के लिये 15 संभावित खिलाड़ियों की दूसरी सूची जारी की। वहीं पहली सूची शनिवार को जारी की गई थी। संयुक्त क्वालीफिकेशन मुकाबलों में भारतीय टीम को कुवैत और कतर से खेलना है। इसके लिए पहली सूची में शामिल 26 खिलाड़ियों को भुवनेश्वर में 10 मई से भुवनेश्वर में होने वाले अभ्यास शिविर में उतरना है। वहीं दूसरी सूची में शामिल खिलाड़ी 15 मई को शिविर से जुड़ेंगे। दूसरी सूची में शामिल खिलाड़ियों में मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान एसजी के खिलाड़ी भी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने आईएसएल कप फाइनल खेला। ये 15 मई को शिविर से जुड़ेंगे। कुल 41 खिलाड़ी इस राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे। भारतीय टीम को छह जून को कोलकाता में कुवैत से और 11 जून को कतर में कतर से होगा। भारत अभी ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें तीसरे दौर में पहुंचेंगी और एएफसी एशियाई कप खेलेंगी।

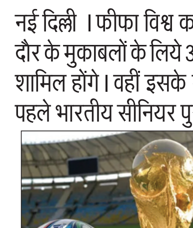

अगर मुझे दो मैच खेलने को मिलते... सीएसके ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर ने एक बड़ी बात कही है। उनको इस सीजन अभी तक एक ही मैच खेलने को मिला है, लेकिन वे इससे निराश नहीं हैं। उनका कहना है कि भले ही उनको दो ही मैच सीजन में खेलने को मिलें, लेकिन वे निराश नहीं होंगे, क्योंकि ये टीम कॉम्बिनेशन के चलते ऐसा होता है और टीम को सफलता मिली है तो अच्छा लगता है। मिचेल सैंटनर पिछले कुछ सीजन टीम के लिए लगातार खेल हैं, लेकिन आईपीएल 2024 में उनको सीधे 11वें मैच में खेलने का मौका मिला था, जिसमें उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया।

मिचेल सैंटनर ने सीएसके की सोशल मीडिया टीम को दिए इंटरव्यू में कहा कि, यहां तक कि अगर मुझे दो मैच खेलने को मिलते हैं तो मैं अपना बेस्ट उन दो मैचों में दूंगा। अगर ज्यादा मैच खेलने को मिलते हैं तो अच्छा है, अगर नहीं मिलते तो भी मैं खुश हूं। क्योंकि ये टीम की सफलता के बारे में है और अपनी टीम की सहायता करने के बारे में हैं। उन्होंने ऐसा इसलिए भी कहा कि क्योंकि टीम कॉम्बिनेशन के कारण कई बार अच्छे खिलाड़ी भी प्लेइंग इलेवन में खेल नहीं पाते। इसके पीछे का कारण ये भी है कि आईपीएल में सिर्फ चार ही विदेशी खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में खेलते हैं।

बता दें कि, मिचेल पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला के मैदान पर खेलते उतरे। उन्होंने बतौर बल्लेबाज 11 रन बनाए और 10 रन देकर एक विकेट अपने नाम किया। मिचेल सैंटनर ने गेंदबाजी में पारी की शुरुआत की थी और तीन ओवर में सिर्फ 11 रन दिए और एक सफलता भी हासिल की। उन्होंने खुद को पहले ही मैच में साबित किया। मिचेल सैंटनर सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा आईपीएल में रहे हैं। 2019 में डेब्यू करने के बाद उन्होंने 16 मैचों की 9 पारियों में बल्लेबाजी की और कुल 67 रन बनाए हैं। बतौर गेंदबाज मिचेल सैंटनर को 16 मैचों में 14 विकेट मिले हैं।

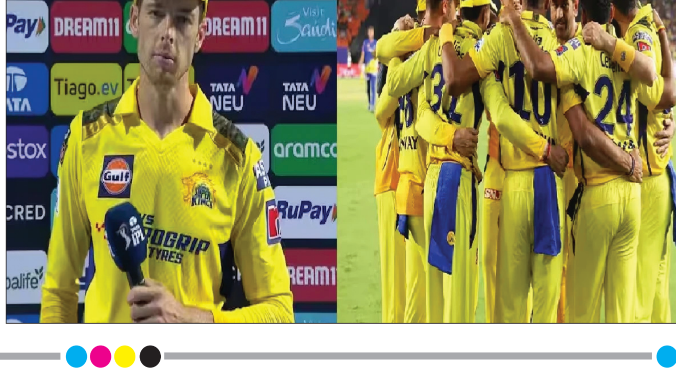

अक्षय तृतीया : बहुत शुभ होती है वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया

अक्षय तृतीया या आखा तीज वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते हैं। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किये जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। वैसे तो सभी बारह महीनों की शुक्ल पक्षीय तृतीया शुभ होती है, किन्तु वैशाख माह की तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्तों में मानी गई है।

महत्व

अक्षय तृतीया का सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में भी विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन बिना कोई पंचांग देखे कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह-प्रवेश, वस्त्र-आभूषणों की खरीददारी या घर, भूखण्ड, वाहन आदि की खरीददारी से सम्बन्धित कार्य किए जा सकते हैं। नवीन वस्त्र, आभूषण आदि धारण करने और नई संस्था, समाज आदि की स्थापना या उद्‍घाटन का कार्य श्रेष्ठ माना जाता है। पुराणों में लिखा है कि इस दिन पितरों को किया गया तर्पण तथा पिन्डदान अथवा किसी और प्रकार का दान, अक्षय फल प्रदान करता है। इस दिन गंगा स्नान करने से तथा भगवत पूजन से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। यहाँ तक कि इस दिन किया गया जप, तप, हवन, स्वाध्याय और दान भी अक्षय हो जाता है। यह तिथि यदि सोमवार तथा रोहिणी नक्षत्र के दिन आए तो इस दिन किए गए दान, जप-तप का फल बहुत अधिक बढ़ जाता हैं। इसके अतिरिक्त यदि यह तृतीया मध्याह्न से पहले शुरू होकर प्रदोष काल तक रहे तो बहुत ही श्रेष्ठ मानी जाती है। यह भी माना जाता है कि आज के दिन मनुष्य अपने या स्वजनों द्वारा किए गए जाने-अनजाने अपराधों की सच्चे मन से ईश्वर से क्षमा प्रार्थना करे तो भगवान उसके अपराधों को क्षमा कर देते हैं और उसे सदगुण प्रदान करते हैं, अतः आज के दिन अपने दुर्गुणों को भगवान के चरणों में सदा के लिए अर्पित कर उनसे सदगुणों का वरदान माँगने की परम्परा भी है।

हिन्दू धर्म में महत्व

अक्षय तृतीया के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर समुद्र या गंगा स्नान करने के बाद भगवान विष्णु की शान्त चित्त होकर विधि विधान से पूजा करने का प्रावधान है। नैवेद्य में जौ या गेहूँ का सत्तू, ककड़ी और चने की दाल अर्पित किया जाता है। तत्पश्चात फल, फूल, बरतन, तथा वस्त्र आदि दान करके ब्राह्मणों को दक्षिणा दी जाती है। ब्राह्मण को भोजन करवाना कल्याणकारी समझा जाता है। मान्यता है कि इस दिन सत्तू अवश्य खाना चाहिए तथा नए वस्त्र और आभूषण पहनने चाहिए। गौ, भूमि, स्वर्ण पात्र इत्यादि का दान भी इस दिन किया जाता है। यह तिथि वसन्त ऋतु के अन्त और ग्रीष्म ऋतु का प्रारम्भ का दिन भी है इसलिए अक्षय तृतीया के दिन जल से भरे घडे, कुल्हड, सकोरे, पंखे, खडाऊँ, छाता, चावल, नमक, घी, खरबूजा, ककड़ी, चीनी, साग, इमली, सत्तू आदि गरमी में लाभकारी वस्तुओं का दान पुण्यकारी माना गया है। इस दान के पीछे यह लोक विश्वास है कि इस दिन जिन-जिन वस्तुओं का दान किया जाएगा, वे समस्त वस्तुएँ स्वर्ग या अगले जन्म में प्राप्त होगी। इस दिन लक्ष्मी नारायण की पूजा सफेद कमल अथवा सफेद गुलाब या पीले गुलाब से करना चाहिये।

'सर्वत्र शुक्ल पुष्पाणि प्रशस्तानि सदार्चने।
दानकाले च सर्वत्र मन्त्र मेत मुदीरयेत्॥'

अर्थात सभी महीनों की तृतीया में सफेद पुष्प से किया गया पूजन प्रशंसनीय माना गया है।

ऐसी भी मान्यता है कि अक्षय तृतीया पर अपने अच्छे आचरण और सद्गुणों से दूसरों का आशीर्वाद लेना अक्षय रहता है। भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विशेष फलदायी मानी गई है। इस दिन किया गया आचरण और सत्कर्म अक्षय रहता है।

भविष्य पुराण के अनुसार इस तिथि की युगादि तिथियों में गणना होती है, सतयुग और त्रेता युग का प्रारंभ इसी तिथि से हुआ है। भगवान विष्णु ने नर-नारायण, हयग्रीव और परशुराम जी का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था। ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का आविर्भाव भी इसी दिन हुआ था। इस दिन श्री बद्रीनाथ जी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जाती है और श्री लक्ष्मी नारायण के दर्शन किए जाते हैं। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बद्रीनारायण के कपाट भी इसी तिथि से ही पुनः खुलते हैं। वृन्दावन स्थित श्री बाँके बिहारी जी मन्दिर में भी केवल इसी दिन श्री विग्रह के चरण दर्शन होते हैं, अन्यथा वे पूरे वर्ष वस्त्रों से ढके रहते हैं। जी.एम. हिंगे के अनुसार तृतीया 41 घटी 21 पल होती है तथा धर्म सिन्धु एवं निर्णय सिन्धु ग्रन्थ के अनुसार अक्षय तृतीया 6 घटी से अधिक होना चाहिए। पद्म पुराण के अनुसार इस तृतीया को अपराह्न व्यापिनी मानना चाहिए। इसी दिन महाभारत का युद्ध समाप्त हुआ था और द्वापर युग का समापन भी इसी दिन हुआ था। ऐसी मान्यता है कि इस दिन से प्रारम्भ किए गए कार्य अथवा इस दिन को किए गए दान का कभी भी क्षय नहीं होता। मदनरत्न के अनुसार:

'अस्यां तिथौ क्षयमुर्पति हुतं न दत्तं। तेनाक्षयेति कथिता मुनिभिस्तृतीया॥
उद्दिष्य दैवतपितृन्क्रियते मनुष्यैः। तत् च अक्षयं भवति भारत सर्वमेव॥'

प्रचलित कथाएँ

अक्षय तृतीया की अनेक व्रत कथाएँ प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथा के अनुसार प्राचीन काल में एक धर्मदास नामक वैश्य था। उसकी सदाचार, देव और ब्राह्मणों के प्रति काफी श्रद्धा थी। इस व्रत के महात्म्य को सुनने के पश्चात उसने इस पर्व के आने पर गंगा में स्नान करके विधिपूर्वक देवी-देवताओं की पूजा की, व्रत के दिन स्वर्ण, वस्त्र तथा दिव्य वस्तुएँ ब्राह्मणों को दान में दी। अनेक रोगों से ग्रस्त तथा वृद्ध होने के बावजूद भी उसने उपवास करके धर्म-कर्म और दान पुण्य किया। यही वैश्य दूसरे जन्म में कुशावती का राजा बना। कहते हैं कि अक्षय तृतीया के दिन किए गए दान व पूजन के कारण वह बहुत धनी प्रतापी बना। वह इतना धनी और प्रतापी राजा था कि त्रिदेव तक उसके दरबार में अक्षय तृतीया के दिन ब्राह्मण का वेष धारण करके उसके महायज्ञ में शामिल होते थे। अपनी श्रद्धा और भक्ति का उसे कभी घमण्ड नहीं हुआ और महान वैभवशाली होने के बावजूद भी वह धर्म मार्ग से विचलित नहीं हुआ। माना जाता है कि यही राजा आगे चलकर राजा चंद्रगुप्त के रूप में पैदा हुआ। स्कंद पुराण और भविष्य पुराण में उल्लेख है कि वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को रेणुका के गर्भ से भगवान विष्णु ने परशुराम रूप में जन्म लिया। कोंकण और चिप्लून के परशुराम मंदिरों में इस तिथि को परशुराम जयन्ती बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है। दक्षिण भारत में परशुराम जयन्ती को विशेष महत्व दिया जाता है। परशुराम जयन्ती होने के कारण इस तिथि में भगवान परशुराम के आविर्भाव की कथा भी सुनी जाती है। इस दिन परशुराम जी की पूजा करके उन्हें अर्घ्य देने का बड़ा माहात्म्य माना गया है। सौभाग्यवती स्त्रियाँ और क्वारी कन्याएँ इस दिन गौरी-पूजा करके मिठाई, फल और भीगे हुए चने बाँटती हैं, गौरी-पार्वती की पूजा करके धातु या मिट्टी के कलश में जल, फल, फूल, तिल, अन्न आदि लेकर दान करती हैं। मान्यता है कि इसी दिन जन्म से ब्राह्मण और कर्म से क्षत्रिय भृगुवंशी परशुराम का जन्म हुआ था। एक कथा के अनुसार परशुराम की माता और विश्वामित्र की माता के पूजन के बाद प्रसाद देते समय ऋषि ने प्रसाद बदल कर दे दिया था। जिसके प्रभाव से परशुराम ब्राह्मण होते हुए भी क्षत्रिय स्वभाव के थे और क्षत्रिय पुत्र होने के बाद भी विश्वामित्र ब्रह्मर्षि कहलाए। उल्लेख है कि सीता स्वयंवर के समय परशुराम जी अपना धनुष बाण श्री राम को समर्पित कर संन्यासी का जीवन बिताने अन्यत्र चले गए। अपने साथ एक फरसा रखते थे तभी उनका नाम परशुराम पड़ा।

जैन धर्म में अक्षय-तृतीया

तीर्थंकर आदिनाथ को प्रथम आहार देते राजा श्रेयांस (चित्र-अजमेर जैन मन्दिर)जैन धर्मावलम्बियों का महान धार्मिक पर्व है। इस दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री ऋषभदेव भगवान ने एक वर्ष की पूर्ण तपस्या करने के पश्चात इक्षु (शोरडी-गन्ने) रस से पारायण किया था। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान ने सत्य व अहिंसा का प्रचार करने एवं अपने कर्म बन्धनों को तोड़ने के लिए संसार के भौतिक एवं पारिवारिक सुखों का त्याग कर जैन वैराग्य अंगीकार कर लिया। सत्य और अहिंसा के प्रचार करते-करते आदिनाथ प्रभु हस्तिनापुर गजपुर पधारे जहाँ इनके पौत्र सोमयश का शासन था। प्रभु का आगमन सुनकर सम्पूर्ण नगर दर्शनार्थ उमड़ पड़ा सोमप्रभु के पुत्र राजकुमार श्रेयांस कुमार ने प्रभु को देखकर उसने आदिनाथ को पहचान लिया और तत्काल शुद्ध आहार के रूप में प्रभु को गन्ने का रस दिया, जिससे आदिनाथ ने व्रत का पारायण किया। जैन धर्मावलंबियों का मानना है कि गन्ने के रस को इक्षुरस भी कहते हैं इस कारण यह दिन इक्षु तृतीया एवं अक्षय तृतीया के नाम से विख्यात हो गया। भगवान श्री आदिनाथ ने लगभग 400 दिवस की तपस्या के पश्चात पारायण किया था। यह लम्बी तपस्या एक वर्ष से अधिक समय की थी अतः जैन धर्म में इसे वर्षीतप से सम्बोधित किया जाता है। आज भी जैन धर्मावलम्बी वर्षीतप की आराधना कर अपने को धन्य समझते हैं, यह तपस्या प्रति वर्ष कार्तिक के कृष्ण पक्ष की अष्टमी से आरम्भ होती है और दूसरे वर्ष वैशाख के शुक्लपक्ष की अक्षय तृतीया के दिन पारायण कर पूर्ण की जाती है। तपस्या आरम्भ करने से पूर्व इस बात का पूर्ण ध्यान रखा जाता है कि प्रति मास की चौदस को उपवास करना आवश्यक होता है। इस प्रकार का वर्षीतप करीबन 13 मास और दस दिन का हो जाता है। उपवास में केवल गर्म पानी का सेवन किया जाता है। भारत वर्ष में इस प्रकार की वर्षी तपश्चर्या करने वालों की संख्या हज़ारों तक पहुँच जाती है। यह तपस्या धार्मिक दृष्टिकोण से अन्यन्त ही महत्वपूर्ण है, वहीं आरोग्य जीवन बिताने के लिए भी उपयोगी है। संयम जीवनयापन करने के लिए इस प्रकार की धार्मिक क्रिया करने से मन को शान्त, विचारों में शुद्धता, धार्मिक प्रवृत्तियों में रुचि और कर्मों को काटने में सहयोग मिलता है। इसी कारण इस अक्षय तृतीया का जैन धर्म में विशेष धार्मिक महत्व समझा जाता है। मन, वचन एवं श्रद्धा से वर्षीतप करने वाले को महान समझा जाता है।

संस्कृति में

इस दिन से शादी-ब्याह करने की शुरुआत हो जाती है। बड़े-बुजुर्ग अपने पुत्र-पुत्रियों के लगन का मांगलिक कार्य आरंभ कर देते हैं। अनेक स्थानों पर छोटे बच्चे भी पूरी रीति-रिवाज के साथ अपने गुड्डा-गुड़िया का विवाह रचाते हैं। इस प्रकार गाँवों में बच्चे सामाजिक कार्य व्यवहारों को स्वयं सीखते व आत्मसात करते हैं। कई जगह तो परिवार के साथ-साथ पूरा का पूरा गाँव भी बच्चों के द्वारा रचे गए वैवाहिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि अक्षय तृतीया सामाजिक व सांस्कृतिक शिक्षा का अनूठा त्यौहार है। कृषक समुदाय में इस दिन एकत्रित होकर आने वाले वर्ष के आगमन, कृषि पैदावार आदि के शगुन देखते हैं। ऐसा विश्वास है कि इस दिन जो सगुन कृषकों को मिलते हैं, वे शत-प्रतिशत सत्य होते हैं। राजपूत समुदाय में आने वाला वर्ष सुखमय हो, इसलिए इस दिन शिकार पर जाने की परंपरा है।

बद्रीनाथ धाम से जुड़ी है ये मान्यता

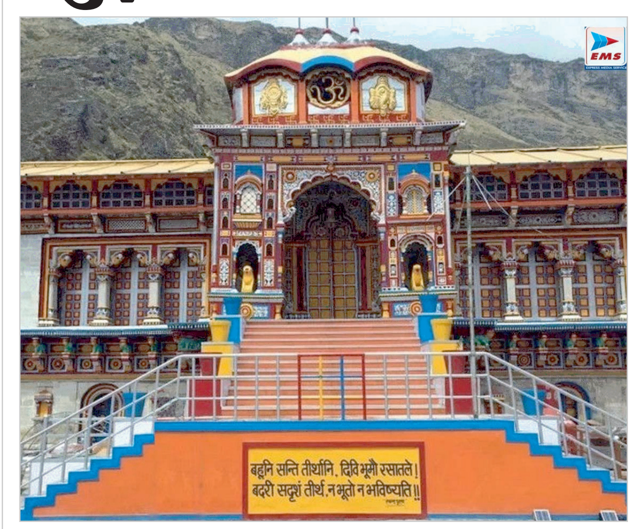

बद्रीनाथ धाम हिन्दुओं के चार धामों में से एक धाम है। यह अलकानंदा नदी के किनारे उत्तराखंड राज्य में स्थित है। यहां भगवान विष्णु 6 माह निद्रा में रहते हैं और 6 माह जागते हैं। बद्रीनाथ धाम से जुड़ी ये बातें अहम हैं। बद्रीनाथ धाम से जुड़ी एक मान्यता है कि जो आए बदरी, वो न आए ओदरी। इसका मतलब जो व्यक्ति बद्रीनाथ के दर्शन एक बार कर लेता है उसे दोबारा माता के गर्भ में नहीं प्रवेश करना पड़ता। बद्रीनाथ के बारे में कहा जाता है कि यहां पहले भगवान भोलेनाथ का निवास हुआ करता था लेकिन बाद में भगवान विष्णु ने इस स्थान को भगवान शिव से मांग लिया था। बद्रीनाथ धाम दो पर्वतों के बीच बसा है। इन्हें नर नारायण पर्वत कहा जाता है। कहा जाता है कि यहां भगवान विष्णु के अंश नर और नारायण ने तपस्या की थी। नर अपने अगले जन्म में अर्जुन तो नारायण श्री कृष्ण के रूप में पैदा हुए थे। मान्यता है कि केदारनाथ और बद्रीनाथ के कपाट खुलते हैं उस समय मंदिर में जलने वाले दीपक के दर्शन का खास महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि 6 महीने तक बंद दरवाजे के अंदर देवता इस दीपक को जलाए रखते हैं। बद्रीनाथ के पुजारी शंकराचार्य के वंशज होते हैं। कहा जाता है कि जब तर यह लोग रावल पद पर रहते हैं इन्हें ब्रह्मचर्य का पालन करना पड़ता है। इन लोगों को लिए स्त्रियों का स्पर्श वर्जित माना जाता है. केदारनाथ के कपाट खुलने की तिथि केदारनाथ के रावल के निर्देशन में उखीमठ में पंडितों द्वारा तय की जाती है। इसमें सामान्य सुविधाओं के अलावा परंपराओं का ध्यान रखा जाता है। यही कारण है कि कई बार ऐसे भी मुहूर्त भी आए हैं जिससे बदरीनाथ के कपाट केदारनाथ से पहले खोले गए हैं जबकि आमतौर पर केदारनाथ के कपाट पहले खोले जाते हैं।

बद्रीनाथ मंदिर का इतिहास

यह अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नर और नारायण नामक दो पर्वत श्रेणियों के बीच स्थित है। ये पंच-बदरी में से एक बद्री हैं। उत्तराखंड में पंच बदरी, पंच केदार तथा पंच प्रयाग पौराणिक दृष्टि से तथा हिन्दू धर्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

बद्रीनाथ मंदिर का निर्माण

सोलहवीं सदी में गढ़वाल के राजा ने मूर्ति को उठवाकर वर्तमान बद्रीनाथ मंदिर में ले जाकर उसकी स्थापना करवा दी।

भगवान परशुराम के जीवन से जुड़े पौराणिक किस्से

कुछ प्रसिद्ध रामायण वक्ताओं के मुख से कई बार यह सुनाई देता है कि परशुराम क्रोधी थे, जनकपुर में धनुष भंजन के बाद जब वह यज्ञ शाला में पहुंचे तो वे बड़े क्रुद्ध हुए। लक्ष्मण ने उन्हें खूब छकाया, जब भगवान श्री राम ने उनके धनुष में तीर का संधान किया तो राम के सम्मुख नतमस्तक होकर चले गए आदि-आदि। परशुराम दशावतारों में हैं। क्या उन्हें इतना भी आभास नहीं होगा कि यह धनुष किसने तोड़ा? क्या वह साधारण पुरुष हैं?

श्री राम द्वारा धनुष तोड़ने के बाद समस्त राजाओं की दुरभिसंधि हुई कि श्री राम ने धनुष तो तोड़ लिया है, लेकिन इन्हें सीता स्वयंवर से रोकना होगा। वे अतः अपनी-अपनी सेनाओं की टुकड़ियों के साथ धनुष यज्ञ में आए समस्त राजा एकजुट होकर श्री राम से युद्ध के लिए कमर कस कर तैयार हो गए। धनुष यज्ञ गृह युद्ध में बदलने वाला था, ऐसी विकट स्थिति में वहां अपना फरसा लहराते हुए परशुराम जी प्रकट हो गए। वे राजा जनक से पूछते हैं कि तुरंत बताओ कि यह शिव धनुष किसने तोड़ा है, अन्यथा जितने राजा यहां बैठे हैं.... मैं क्रमशः उन्हें अपने परशु की भेंट चढ़ाता हूं। तब श्री राम विनम्र भाव से कहते हैं- हे नाथ शंकर के धनुष को तोड़ने वाला कोई आपका ही दास होगा। परशुराम-राम संवाद के बीच में ही लक्ष्मण उत्तेजित हो उठे, विकट लीला प्रारंभ हो गई। संवाद चलते रहे लीला आगे बढ़ती रही परशुराम जी ने श्री राम से कहा अच्छा मेरे विष्णु धनुष में तीर चढ़ाओ... तीर चढ़ गया, परशुराम जी ने प्रणाम किया और कहा मेरा कार्य अब पूरा हुआ, आगे का कार्य करने के लिए श्री राम आप आ गए हैं। गृह युद्ध टल गया। सारे राजाओं ने श्री राम को अपना सम्राट मान लिया, भेंट पूजा की एवं अपनी-अपनी राजधानी लौट गए। श्री राम के केंद्रीय शासन नियमों से धर्मयुक्त राज्य करने लगे। देश में शांति छाने लगी अब श्री राम निश्चिंत थे क्योंकि उन्हें तो देश की सीमाओं के पार से संचालित आतंक के खिलाफ लड़ना था, इसीलिए अयोध्या आते ही वन को चले गए। पंचवटी में लीला रची गई, लंका कूच हुआ। रावण का कुशासन समाप्त हुआ, राम राज्य की स्थापना हुई। अतः राम राज्य की स्थापना की भूमिका तैयार करने वाले भगवान परशुराम ही थे।

भगवान परशुराम के किस्से- भगवान परशुराम राम के काल में भी थे और कृष्ण के काल में भी उनके होने की चर्चा होती है। ऐसा माना जाता है कि वे कल्प के अंत तक वे धरती पर ही तपस्यारत रहेंगे। पौराणिक कथा में वर्णित है कि महेंद्रगिरि पर्वत भगवान परशुराम की तप की जगह थी और अंततः वह उसी पर्वत पर कल्पांत तक के लिए तपस्यारत होने के लिए चले गए थे। जानिए परशुराम के किस्से -

- जब एक बार गणेशजी ने परशुराम को शिव दर्शन से रोक लिया तो, रुष्ट परशुराम ने उन पर परशु प्रहार कर दिया, जिससे गणेश का एक दांत नष्ट हो गया और वे एकदंत कहलाए।
- जनक, दशरथ आदि राजाओं का उन्होंने समुचित सम्मान किया। सीता स्वयंवर में श्री राम का अभिनंदन किया।

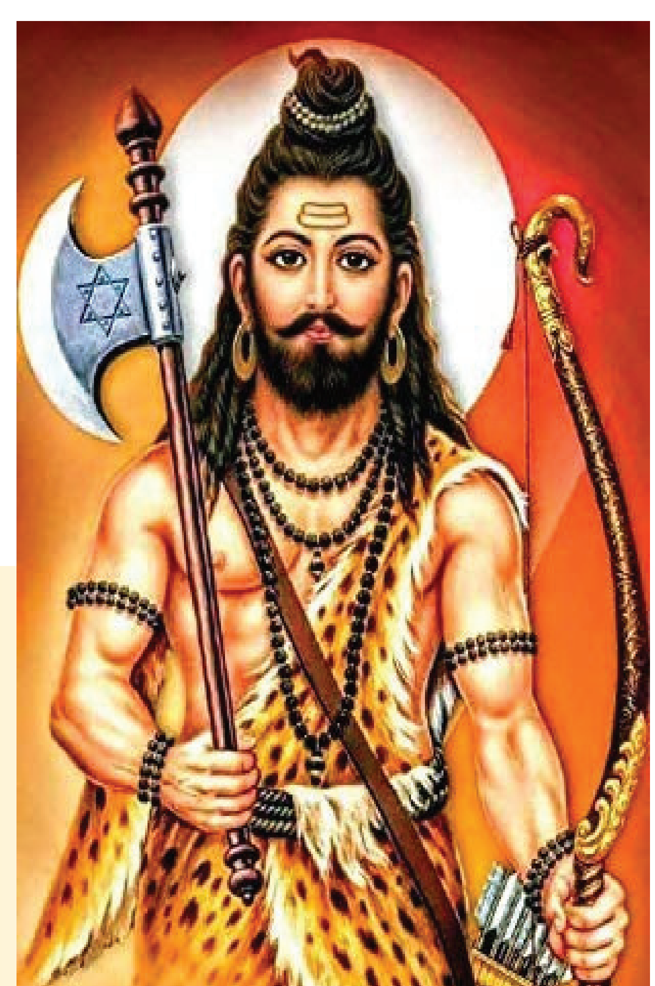

- कौरव-सभा में कृष्ण का समर्थन किया।
- उन्होंने भीष्म, द्रोण व कर्ण को शस्त्र विद्या प्रदान की थी। इस तरह परशुराम के अनेक किस्से हैं।
- असत्य वाचन करने के दंड स्वरूप कर्ण को सारी विद्या विस्मृत हो जाने का श्राप दिया था।

ट्रंप के छोटे बेटे रिपब्लिकन कन्वेंशन में होंगे फ्लोरिडा के प्रतिनिधि

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे छोटे बेटे बैरन ट्रंप को 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' में फ्लोरिडा के प्रतिनिधि के तौर पर शामिल होने के लिए चुना गया है। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ फ्लोरिडा' के अध्यक्ष इवान पावर ने बताया कि 18 वर्षीय बैरन ट्रंप फ्लोरिडा से राष्ट्रीय सभा में 41 प्रतिनिधियों में से एक होंगे। इसी सम्मेलन में ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी का आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। देश में नंवबर में चुनाव होने हैं। सबसे पहले खुलासा किया था कि बैरन ट्रंप को प्रतिनिधि बनाया जाएगा।

बलूचिस्तान में 7 पंजाबियों का कत्ल, पाकिस्तान के तीन प्रांतों में अलगाव की आग

इस्लामाबाद। पिछले महीने ही बलूचिस्तान में पाकिस्तान के ही पंजाब प्रांत के रहने वाले 11 लोगों को मार डाला गया था। इनमें से 9 लोगों को तो बस से उतारकर महज इसलिए कत्ल कर दिया गया था क्योंकि वे पंजाबी थे। अब ऐसा ही एक और वाकया बलूचिस्तान के ग्वादर में सामने आया है। ग्वादर में गुरुवार की सुबह 7 लोगों को गोलियों से भून डाला गया। ये सभी लोग मजदूर थे और अपने कमरों में सो रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना ग्वादर के सुरबंदर में हुई है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इसे भी क्षेत्रीय आधार पर की गई हिंसा ही माना जा रहा है। माना जा रहा है कि बलूच अलगाववादी संगठनों ही इस घटना के अंजाम दिया है। इससे पहले भी ग्वादर समेत बलूचिस्तान के कई इलाकों में पंजाब के लोगों एवं चीनियों तक को टारगेट करते हुए हमले हो चुके हैं। इन हमलों की जिम्मेदारी अकसर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी लेती रही है। यह संगठन बलूचिस्तान की स्वायत्तता की मांग करता रहा है। यही नहीं चीनी परियोजनाओं का भी यहां विरोध रहा है। बता दें कि पाकिस्तान के बनने के बाद से ही बलूचिस्तान, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा जैसे प्रांतों में अलगाववादी आंदोलन चलते रहे हैं। बलूचिस्तान के चीफ मिनिस्टर मीर सरफराज बुगती ने इस घटना को खुला आतंकवाद करार दिया है और कहा कि ऐसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। बुगती ने कहा कि मारे गए लोगों के परिजनों की पूरी मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम आतंकवादियों और उन्हें मदद देने वालों को छोड़ेंगे नहीं। यही नहीं बुगती ने कहा कि आतंकवादियों से निपटने के लिए जो भी ताकत इस्तेमाल करनी होगी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानियों के खून का एक कतरा भी गिराने वालों का हिसाब किया जाएगा। इन प्रांतों में एक बड़े वर्ग का मानना है कि पाकिस्तान ने उनकी संस्कृति, भाषा और हितों को नजरअंदाज किया है। पख्तून तो खुद को एक अलग कौम मानते हुए अलग मुल्क ही मानते हैं। यही नहीं खैबर पख्तूनख्वा के लोगों का अफगानिस्तान के लोगों से भी संपर्क रहा है। दोनों खुद को साझा पख्तून संस्कृति का मानते हैं।

ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरा अमेरिकी पोत...चीन हुआ नाराज

ताइपे। ताइवान के नए राष्ट्रपति के कार्यभार संभालने के दो सप्ताह से भी कम समय पहले ताइवान जलडमरूमध्य से एक अमेरिकी पोत के गुजरने पर चीनी सेना ने अमेरिका की आलोचना की है। इस बीच वाशिंगटन और बीजिंग नियमित सैन्य आदान-प्रदान बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं। नौसेना के वरिष्ठ कैप्टन और ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता ली शी ने ताइवान जलडमरूमध्य से अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस हेल्सी के गुजरने की आलोचना कर अमेरिका पर बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया। ली ने बताया कि कमांड ने जहाज की गतिविधियों की निगरानी करने के लिए नौसेना और वायु सेना को तैनात किया था। इससे पहले 17 अप्रैल को इस तरह से एक पोत गुजरा था। इस घटना से एक दिन पहले ही अमेरिका और चीन के सेना प्रमुखों ने क्षेत्रीय तनाव को कम करने के लिए बातचीत की थी। इससे पहले नवंबर 2022 में ऐसी बातचीत हुई थी।

बंदरगाह शहर ग्वादर में आतंकी हमला, करीब सात मजदूरों

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान क्षेत्र में मौजूद बंदरगाह शहर ग्वादर में हुए एक आतंकी हमले में करीब सात मजदूरों की मौत हो गई। ग्वादर पुलिस थाना प्रभारी (एसएचओ) मोहसिन अली का हवाला देकर बताया कि अज्ञात बंदूकधारियों ने सुरबंदर इलाके में ग्वादर फिश हार्बर के पास एक इमारत पर गोलीबारी की, जिसमें सात लोगों की मौत हुई और एक घायल हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमले में मारे गए और घायल व्यक्ति इलाके में बाल काटने की दुकान में काम करते थे। वे पंजाब के खानेवाल के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि घायल व्यक्ति को ग्वादर अस्पताल में भर्ती किया गया है। अभी तक किसी भी आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने ग्वादर में हुए हमले में लोगों के मारे जाने की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस हमले में शामिल आतंकवादियों और उनके मददगारों को गिरफ्तार करने के लिए सभी प्रकार के बल का इस्तेमाल किया जाएगा। बलूचिस्तान के गृह मंत्री मीर जिया उल्लाह ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए जांच के आदेश दिए हैं। मंत्री ने कहा कि मजदूरों की हत्या करना एक कायरतापूर्ण कदम है और आतंकियों से सख्ती से निपटा जाएगा।

शिकागो में एक भारतीय छात्र लापता.... 2 मई को हुई पिता से बात

वाशिंगटन। अमेरिका के शिकागो में एक भारतीय छात्र 2 मई से लापता है। 25 वर्षीय मास्टर्स छात्र रूपेश चंद्र चिंताकिंडी के लापता होने से हैदराबाद स्थित उनका परिवार चिंतित हो गया है। परिवार छात्र का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास और पुलिस कॉनकॉर्डिया विश्वविद्यालय के मास्टर छात्र चिंताकिंडी का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा, यह जानकर बहुत चिंतित है कि भारतीय छात्र रूपेश चंद्र चिंताकिंडी 2 मई से संपर्क में नहीं है। उन्होंने कहा, वे रूपेश का पता लगाने/संपर्क स्थापित करने की उम्मीद कर रहा है। शिकागो पुलिस ने जनता से भी मदद मांगी है और उनसे ऐसी कोई भी जानकारी मांगी है जो 25 वर्षीय भारतीय छात्र का पता लगाने में मदद कर सके। रूपेश चिंताकिंडी ने आखिरी बार अपने पिता से 2 मई को बात की थी।

ब्राजील में भारी बारिश से आई बाढ़ में मरने वालों की संख्या 100 के पार, कई लोग बेघर

साओ पाउलो। दक्षिण ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में भारी बारिश से आई बाढ़ में कम से कम 100 लोगों की मौत हो गई है और करीब एक लाख घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। एक सप्ताह में रियो ग्रांडे डो सुल में पांच महीने के बराबर की बारिश हुई, जिससे भयानक बाढ़ आ गई। कई लोग बेघर हो गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार राज्य में उफनती नदियों और बाढ़ से करीब 1.45 मिलियन लोग बुरी तरह रप्रभावित हुए हैं और करीब दो लाख लोग अपने घरों से पलायन कर गए हैं। एजेंसी के आंकड़ों के आधार पर, 29 अप्रैल से रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में खराब मौसम का दौर शुरू हुआ था जिसमें 99,800 घर या तो पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो हुए हैं। अर्जेंटीना और उरुग्वे की सीमा से लगे राज्य के 497 शहरों में से 414 शहर तूफान से प्रभावित हुए हैं और यहां आपात स्थिति की घोषणा की गई है। बुनियादी ढांचे के साथ-साथ कृषि, पशुधन, उद्योग, वाणिज्य और सेवाओं को 4.6 बिलियन रियल (करीब 904 मिलियन डॉलर) का आर्थिक नुकसान हुआ है। बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने का काम युद्धस्तर पर जारी है।

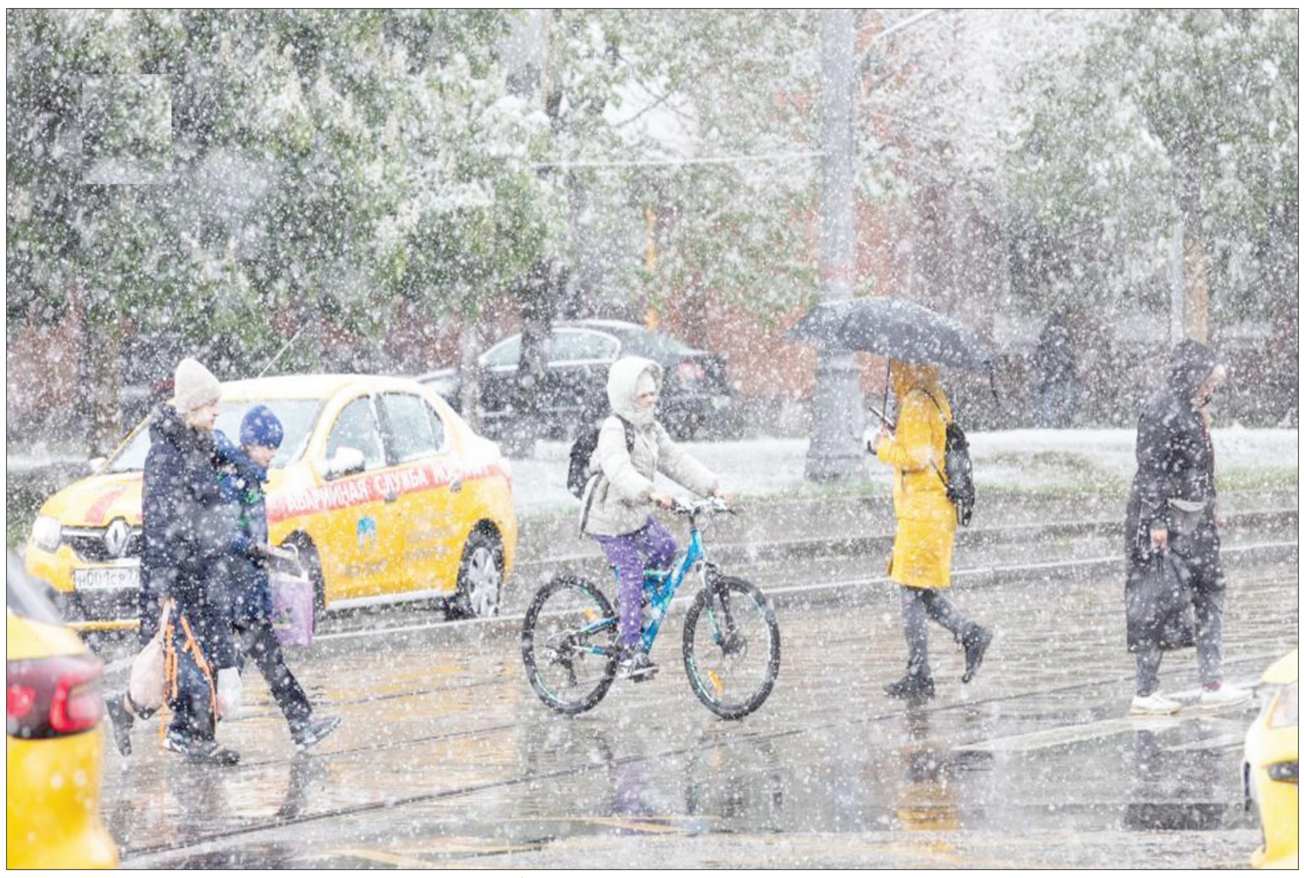

मास्को में बर्फबारी के बीच ही एक सड़क पार करते हुए लोग।

सुनक की पार्टी का एक और सांसद लेबर पार्टी में हुआ शामिल

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजरवेटिव पार्टी से एक और सांसद ने दल-बदल कर कहा कि 'टोरी' अब अक्षमता और विभाजन का पर्याय बन गए हैं। ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी को टोरी नाम से भी जाना जाता है। डोवर से सांसद नताली एलफिस्के ने लेबर पार्टी में शामिल होने के लिए कंजरवेटिव पार्टी छोड़ते हुए, सुनक पर वादे तोड़ने और मुख्य वादे भूलने का आरोप लगाया है। सुनक(43) की पार्टी में पिछले दो हफ्तों में यह दूसरा दल-बदल है। अप्रैल के अंत में कंजरवेटिव सांसद डैन पोल्टर ने पार्टी से नाता तोड़कर लेबर पार्टी में शामिल हुए थे। कुछ दिन पहले तक लेबर पार्टी की कटु आलोचक रहीं एलफिस्के ने अपने इस्तीफे में कहा, जब मैं 2019 में चुनी गई, कंजरवेटिव पार्टी ब्रिटेन की राजनीति के केंद्र में थी। पार्टी हमारे देश को आगे ले जाने के लिए भविष्य का निर्माण कर रही थी और अवसर सृजित कर रही थी। उन्होंने कहा, ''तब से, कई चीजें बदल गईं। (उस वक्त प्रधानमंत्री के पद नहीं रहे) ऋषि सुनक के नेतृत्व में किये गए तख्ता पलट में एक निर्वाचित प्रधानमंत्री अपदस्थ हो गए। सुनक के तहत, कंजरवेटिव अक्षमता और विभाजन का पर्याय बन गए हैं। 2019 के चुनावी घोषणा पत्र के वादे को भुला दिया गया।

कई मौकों पर हम प्रथम मददगार रहे हैं, मालदीव के विदेश मंत्री को जयशंकर ने चुन-चुनकर गिनाए भारत के एहसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और मालदीव के विदेश मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच संबंधों में गिरावट के बाद पहली बार राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में मुलाकात की। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपने मालदीव दौरे पर आए समकक्ष मूसा ज़मीर का स्वागत करते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच संबंध आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर निर्भर हैं। हालांकि भारतीय पक्ष ने पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के कार्यभार संभालने के बाद से चीन या उसके राजनयिक बदलाव का उल्लेख नहीं किया। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे नई दिल्ली ने अपनी पड़ोसी पहले नीति को बनाए रखा और जब भी जरूरत पड़ी द्वीपसमूह राष्ट्र की मदद करने के लिए उपस्थित रहने की नीति पर कायम है।

करीबी और निकटतम पड़ोसियों के रूप में हमारे संबंधों का विकास स्पष्ट रूप से आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित है। जहां तक भारत का सवाल है, ये हमारी पड़ोसी प्रथम नीति और सागर दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यक्त किए गए हैं। जयशंकर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आज की हमारी बैठक हमें विभिन्न क्षेत्रों में हमारे दृष्टिकोणों के अभिसरण को मजबूत करने में सक्षम बनाएगी। जयशंकर ने कहा कि हमने पहले भी अनुकूल शर्तों पर वित्तीय सहायता दी है। भारत कई मौकों पर मालदीव के लिए प्रथम मददगार रहा है। जयशंकर ने कहा कि हमारे सहयोग ने साझा गतिविधियों, उपकरणों, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के जरिए आपके देश की सुरक्षा और भलाई को भी बढ़ाया है।

नासा ने की बड़ी तैयारी- चांद पर चलेगी चंद्रमा एक्सप्रेस ट्रेन

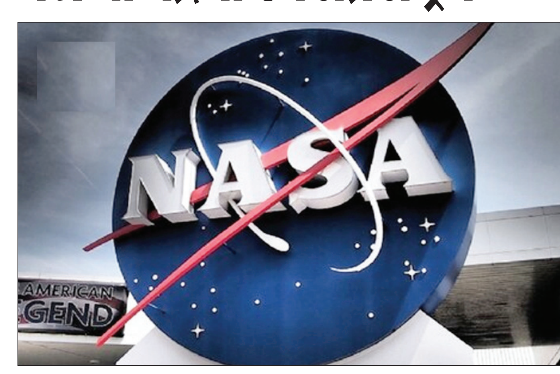

वाशिंगटन (एजेंसी)। चांद पर पिछले कुछ सालों में तमाम देशों की दिलचस्पी भी बढ़ी है और सक्रियता भी। अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा चांद पर असंभव जैसा मिशन पूरा करने में लगा है। नासा अगर कामयाब हो गया तो चांद पर इंसानों की चहल-कदमी मुमकिन हो पाएगी। नासा चांद पर रेलवे लाइन बिछाने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा चंद्र एक्सप्रेस को मुमकिन करने में जुटी है। नासा का यह प्रोजेक्ट हालांकि अभी किसी साइंस फिक्शन जैसी फिल्म जैसा लगता है और यकीन मानिए कि अभी यह नामुमकिन जैसा भी है लेकिन, नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले कुछ दशकों में वह ऐसा कर पाएगी। काल्पनिकता को वास्तविकता के चोले में आमादा नासा की टीम चांद पर रेलवे लाइन के लिए फंड भी जुटा रही है। नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर यह संभव हो गया तो यह मानव जाति के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा।

वाशिंगटन में नासा के प्रमुख जॉन नेल्सन एनआईएसी कार्यक्रम के बारे में बताते हैं, इस प्रोजेक्ट में काम कर रहे हमारे साथी वैज्ञानिकों की नजर में कोई भी कार्य असंभव नहीं है और वे किसी भी कार्य को यह कहकर नहीं छोड़ देते कि नहीं हो पाएगा या असंभव कार्य है। अपनी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के बारे में बोलते हुए, नासा के वैज्ञानिक जॉन नेल्सन इसे विज्ञान का चमत्कार मानते हैं। उनके अनुसार, इस मिशन के साकार होने की कोई गारंटी नहीं है लेकिन, भविष्य में चांद पर रेल परियोजना किसी दिन एयरोस्पेस मिशन का हिस्सा बन सकती हैं। इस प्रोजेक्ट में चांद पर रेलवे लाइन बिछाने के अलावा मंगल ग्रह पर इंसानों और माल के ट्रांसफर के लिए अत्याधुनिक प्रणाली विकसित करना है। नासा की ये परियोजनाएं इनोवेटिव एडवांस्ड कॉन्सेप्ट्स (एनआईएसी) कार्यक्रम का हिस्सा हैं। इस तरह की कुल छह परियोजनाएं चल रही हैं।

निज्जर हत्याकांड में 3 भारतीयों को हिरासत में लिए जाने पर आया विदेश मंत्रालय का बयान, कनाडा से औपचारिक राजनयिक संवाद नहीं हुआ

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को दावा किया कि उन्हें भारत में नामित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से कथित तौर पर जुड़े तीन भारतीयों की गिरफ्तारी के बारे में पता था, लेकिन कनाडा से इस बारे में कोई औपचारिक संचार नहीं हुआ था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि कनाडाई अधिकारियों द्वारा आज तक कोई विशिष्ट या प्रासंगिक सबूत या जानकारी साझा नहीं की गई है। इसलिए आप हमारे विचार को समझेंगे कि मामले का पहले से ही आकलन किया जा रहा है। जाहिर है, इसमें राजनीतिक हित काम कर रहे हैं। उन्होंने इस पर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि कनाडा अलगाववादियों, चरमपंथियों और हिंसा की वकालत करने वालों को राजनीतिक जगह दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि कनाडा में भारतीय राजनयिकों को दण्ड से मुक्ति की धमकी दी गई और उन्हें उनके कर्तव्यों का पालन करने से रोका गया। हमने कनाडाई अधिकारियों को यह भी बताया है कि भारत से जुड़े संगठित अपराध से जुड़े लोगों को कनाडा में प्रवेश और निवास की अनुमति दी गई है। हमारे कई प्रत्यर्पण अनुरोध लंबित हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम इन सभी मामलों पर राजनयिक स्तर पर चर्चा कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब भारत ने आरोप लगाया है कि कनाडा में चरमपंथियों को राजनीतिक जगह दी जा रही है। पिछले हफ्ते, भारत ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो की ताजा टिप्पणियों को खारिज कर दिया और कहा कि ये टिप्पणियां एक बार फिर कनाडा में अलगाववाद, उग्रवाद और हिंसा को दी गई राजनीतिक जगह को दर्शाती हैं।

बादलों का 100 हाथियों के बराबर होता है वजन

लंदन (एजेंसी)। हम जो आसमान में बादल देखते हैं तो हमारे मन में कई सवाल उठते हैं। कभी दूध की तरह सफेद तो कभी ज़रा सा स्लेटी रंग लिए हुए ये बादल रुई जैसे और बहुत प्यारे लगते हैं। देखकर तो लगता है कि इन्हें छू लिया आए। ये बादल कैसे चलते है ये कितने भारी या हल्के होते हैं। हमें लगता है कि ये बादल हल्के-फुल्के होंगे। ऐसे ही कुछ दिलचस्प सवाल हमारे मन उठते हैं।

आपको यकीन न हो लेकिन बादल का वज़न कम से कम 100 हाथियों के बराबर होता है। अजीब ज़रूर लग रहा होगा लेकिन बादल का औसत वज़न ही 1.1 मिलियन पाउंड यानि करीब 450 हज़ार किलोग्राम होता है। इसके बावजूद ये हवा में टिके कैसे रहते हैं? आखिर वो क्या चीज़ है, जो इसे ज़मीन पर गिरने नहीं देती है। वैज्ञानिकों की मानें तो हवा में हर तरफ मौजूद वाष्प के रूप में पानी गर्म हवा से ऊपर उठता है। जब ये ठंडा होने लगता है, तो इसमें जमा पानी की छोटी-छोटी बूंदों के आकार में इकट्ठा हो जाता है. यही बूंदें पानी हैं। बादल में वज़न पानी का ही होता है। चूंकि बादलों में बनी बूंदों काफी छोटी होती हैं, ऐसे में ये गर्म हवा के सहारे आसमान में टिकी रहती हैं। जब तक ये आपस में मिलकर भारी नहीं हो जातीं, तब तक ये नीचे नहीं आतीं। जब ये भारी हो जाती हैं, तो बारिश, ओले या बर्फ के तौर पर जमीन पर गिरती है बरसती हैं। बादल तब तक यूं ही तैरते रहते हैं, जब तक इनका रास्ता नहीं रुकता। रास्ता रुकने से बूंदों का दबाव बढ़ता है और बादल फटकर पानी जमीन पर गिरने लगता है जिस हम बारिश कहते हैं।

राफा में मिलिट्री ऑपरेशन के विरोध में बाइडेन बोले

- इजराइल राफा में घुसा तो हथियार नहीं देंगे

तेल अबीब (एजेंसी)। बाइडेन ने नेतन्याहू को चेतावनी दी है कि अगर इजराइली सैनिक राफा में घुसे तो वे इजराइल को दिए जाने वाले हथियारों की सप्लाई रोक देंगे। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक बाइडेन ने कहा है कि इजराइल को राफा में मिलिट्री ऑपरेशन और अमेरिकी हथियारों के बीच किसी एक को चुनना होगा। अमेरिका अब तक इजराइल को दिए जाने वाले हथियारों की एक खेप को रोक चुका है। 2 हजार पाउंड के बमों की एक खेप इजराइल भेजी जानी थी। जिसे पिछले हफ्ते रोक दिया गया। पिछले 7 महीनों से जारी जंग के बीच ऐसा पहली बार हुआ।

बाइडेन ने माना कि अमेरिका के हथियारों से गाजा में आम नागरिकों की मौत हुई है। अमेरिका का मानना है कि इजराइल अमेरिका से मिलने वाले बमों का इस्तेमाल राफा के रिहायशी इलाकों में हमलों के लिए कर सकता है। जबकि अमेरिका नहीं चाहता की इजराइल राफा मिलिट्री ऑपरेशन को अंजाम दें।

अभी रिहायशी इलाकों पर हमला नहीं किया

इजराइल ने 7 मई हमास के सीजफायर डील मंजूर करने के बाद गाजा के आखिरी हिस्से राफा में मिलिट्री ऑपरेशन की शुरुआत कर दी थी। बमबारी में 22 लोग मारे गए थे, इनमें 8 बच्चे थे। वहीं इजराइली सैनिकों ने मिस्र को बॉर्डर से लगती राफा क्रॉसिंग पर भी कब्जा कर लिया था। 1 लाख लोगों को इलाका छोड़ देने की चेतावनी दी गई थी। वहीं, बाइडेन का कहना है कि इजराइल ने अभी तक राफा के रिहायशी इलाकों में हमले नहीं किए हैं। हम शुरुआत से ही राफा पर हमले का विरोध करते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से लगातार इजराइल को हथियार भेज रहे हैं। अमेरिका राष्ट्रपति का मानना है कि इजराइल को उसकी सुरक्षा का अधिकार है। पिछले कुछ समय से इजराइल को मदद देने पर बाइडेन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी यूनिवर्सिटीज में फिलिस्तीन के समर्थन में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। कई अमेरिकी सांसद भी इजराइल को भेजी जाने वाली मदद पर सवाल उठा चुके थे। इसी कारण से बाइडेन ने इजराइल को भेजी जाने वाली हथियारों की खेप में कमी करनी पड़ी है।

अलगाववादियों की खतरनाक साजिश को लेकर भारतीय राजदूत ने खोली कनाडा की पोल

ओटावा (एजेंसी)। अलगाववादी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के केस में तीन भारतीयों की गिरफ्तारी के बाद पहली बार हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा ने चेतावनी दी है कि अलगाववादी ग्रुप बड़ी 'रेड लाइन' को पार कर रहे हैं। इसे भारत राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की क्षेत्रीय अखंडता के मुद्दे के रूप में देखता है। उन्होंने हत्या के मामले को कनाडा के घरेलू अपराध से जोड़ा। वर्मा ने थिंकटैंक 'मांट्रियल काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस' से कहा, 'भारतीय भारत की दशा तय करेंगे, विदेशी नहीं। भारतीय दूत ने कहा कि हालिया नकारात्मक घटनाक्रम के पीछे की गहरी समस्याएं दशकों पुराने मुद्दों के बारे में कनाडा की गलतफहमी से जुड़ी हैं। इन्हें फिर से उभरने के लिए वह भारतीय मूल के कनाडाई लोगों को दोषी मानते हैं। संजय वर्मा ने कहा, 'मुख्य चिंता कनाडा की भूमि से पैदा होने वाले राष्ट्रीय-सुरक्षा संबंधी खतरों को लेकर है। भारत दोहरी नागरिकता को मान्यता नहीं देता, इसलिए जो कोई भी प्रवासी होता है उसे विदेशी माना जाता है। अगर मैं इसे ऐसे कह सकूं कि विदेशियों की भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर बुरी नजर है। यह हमारे लिए एक बड़ी खतरे की रेखा है।' भारत और कनाडा के बीच संबंध कुल मिलाकर सकारात्मक हैं, भले ही उन्हें लेकर बहुत हंगामा हो रहा है। दोनों देश इस मुद्दे का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। हम किसी भी दिन बातचीत के लिए बैठने को तैयार हैं और हम ऐसा कर रहे हैं।'

संजय वर्मा ने भारत-कनाडा के बीच संबंधों में हो रहीं कई सकारात्मक चीजों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार की वार्षिक वैल्यू 26 बिलियन कनाडाई डॉलर है। पिछले 11 महीनों में कनाडा तक पहुंचने वाली भारतीय दवाओं में 21त्न की वृद्धि हुई है। मंगलवार को सिख फॉर जस्टिस ग्रुप ने भारतीय दूत का भाषण रद्द करने का आह्वान किया था। वहीं कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि हम इन आरोपों पर कायम हैं कि पिछले साल निज्जर की हत्या में भारत सरकार की मिलीभगत थी। जोली ने कहा कि उनका मकसद अभी भी भारत के साथ निजी तौर पर कूटनीति करना है। उन्होंने कहा कि वह मामले पर कोई नई टिप्पणी देने के बजाय पुलिस को जांच करने देंगी। जोली ने मंगलवार को कहा, 'हम इस आरोप पर कायम हैं कि भारतीय एजेंटों ने कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या कर दी थी।' पुलिस की जांच का जिक्र करते हुए जोली ने कहा, 'पुलिस की तरफ से जांच की जा रही है। मैं आगे कोई टिप्पणी नहीं करूंगी और हमारी सरकार का कोई अन्य अधिकारी भी कोई टिप्पणी नहीं करेगा।' 18 जून, 2023 को एक गुरुद्वारे के बाहर एक कनाडाई नागरिक निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या से विरोध की लहर फैल गई थी। कुछ अलगाववादी तत्वों ने कनाडा में भारतीय राजनयिकों के नाम लेकर धमकी दी थी। वहीं दूसरी तरफ अलगाववादी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए तीन भारतीय नागरिकों पहली बार कनाडा की एक अदालत में पेश हुए। विडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए यह पेशी हुई। करण बराड़ (22), कमलप्रीत सिंह (22) और करणप्रीत सिंह (28) को पर हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया। खचाखच भरी अदालत में तीनों को अलग-अलग पेश किया गया। वे अपने वकीलों से सलाह-मशविरा करने के लिए वक्त दिए जाने की वजह से 21 मई तक मुकदमे की सुनवाई स्थगित करने पर सहमत हुए। कनाडा का आरोप है कि ये लोग उस कथित ग्रुप के सदस्य हैं जिन्हें निज्जर की हत्या करने का काम सौंपा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग से लाखों की वन सम्पदा खाक

-सीएम धामी ने सभी सचिवों को अलग-अलग जिलों की सौंपी जिम्मेदारी

देहरादून।

उत्तराखंड के जंगलों में आग एक समस्या बनती जा रही है। चमोली, चकराता, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा और नैनीताल हर जगह आग अपना तांडव मचा रही है। कुमाऊं और गढ़वाल मंडल इस समय आग से जल रहे हैं। लाखों की वन संपदा भी जलकर खाक हो चुकी है। अभी तक कुल 1385.848 हैक्टेयर क्षेत्र इस आग की भेंट चढ़ चुके हैं।

जंगल की आग से हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ गई है, वहीं आग से कई प्रजातियों, वनस्पतियों समेत पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचा है। प्रदेश के जंगलों में आग की बढ़ती घटनाओं ने सभी को चिंता में डाल दिया है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इसे गंभीरता से लेते हुए एक उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि फायर लाइन बनाने की कार्रवाई में वह खुद भी हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि इसमें जनप्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए।सीएम ने निर्देश दिए कि जंगलों में लगी आग को रोकने के लिए सभी सचिवों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी सचिव संबंधित जनपदों में जाकर आग से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लें और इसे रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। सीएम धामी ने रुद्रप्रयाग में पिरूल हटाकर जनजागरूकता का संदेश भी दिया।

सीएम के सख्त रुख के बाद आग लगाने वालों के विरुद्ध 390 केस दर्ज कर 64 लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। दूसरी तरफ, लापरवाही बरतने पर 10 कर्मचारियों को निलंबित कर सात के अटैचमेंट व अन्य कार्रवाई भी की जा चुकी है। वहीं अभी तक आग से पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि चार झुलसने से घायल हुए हैं।

उत्तराखंड के जंगलों की आग का मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। इतना ही नहीं, जंगल की आग बुझाने के लिए भारतीय वायुसेना की भी मदद ली जा रही है। वन विभाग की टीमें और ग्रामीणों के साथ-साथ वन प्रहरी जंगलों की आग बुझाने में लगे हुए हैं। बावजूद इसके जंगल की आग शांत होने का नाम नही ले रही है। आग सिर्फ जंगल तक ही सीमित नहीं है, आग ने अब कई मंदिर, बैंक, खेतों, सरकारी स्कूलों और भवनों के साथ साथ वन विभाग की नर्सरी को भी जला दिया है। वही पिछले तीन दिनों से पौड़ी जिले में श्रीनगर और उसके

आसपास के इलाकों में जंगल में आग लगी हुई है, जिस पर काबू पाने के लिए वायुसेना को मोर्चा संभालना पड़ा।

वन विभाग की टीम मुस्तैदी के साथ आग पर काबू पाने के प्रयास कर रही है। एक जानकारी में बताया गया कि 1 मई 2024 से लेकर 8 मई 2024 तक गढ़वाल मंडल में आरक्षित क्षेत्र में 203 आग की घटनाएं हुई है। जबकि सिविल वन पंचायत में 180 घटनाएं हुई हैं। यानी गढ़वाल क्षेत्र में इन दिनों को मिलाकर 383 कुल अग्नि घटनाएं हुई हैं। जबकि प्रभावित क्षेत्र की बात करें तो उसमें गढ़वाल मंडल में आरक्षित वन 300.975 हेक्टेयर है। जबकि सिविल वन पंचायत 168. 78 हैक्टेयर है।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल एम्स शुरु करेगा अपना कम्युनिटी रेडियो का प्रसारण

भोपाल । स्वास्थ्य की दिशा में नित नए नवाचार कर रहे एम्स भोपाल में एक नया अध्याय जुड़ने वाला है। अब भोपाल एम्स अपना सामुदायिक रेडियो यानि कम्युनिटी रेडियो का प्रसारण शुरू करने जा रहा है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह ने बताया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और लोगों को अपने स्वास्थ्य के बारे में निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाने के लिए विश्वसनीय स्वास्थ्य सूचना बहुत आवश्यक है। हमारे सामुदायिक रेडियो स्टेशन के द्वारा हम स्वास्थ्य सेवा प्रदाता और समुदाय के बीच की खाई को पाट सकते है। लोगों को सक्रिय रूप से अपने स्वास्थ्य का प्रबंधन करने और स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा। इसलिए हम एम्स का सामुदायिक रेडियो शुरू करने का मन बना रहे हैं। एम्स के सामुदायिक रेडियो स्टेशन के प्रारंभ होने से भोपाल और उसके आसपास के 25 किलोमीटर तक के दायरे में लोगों को यह सुनाई देगा। यहां के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं अन्य सूचनाएं आसानी से मिल सकेंगी। इस जानकारी का उपयोग करके लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग होकर एक बेहतर और स्वस्थ जीवन व्यतीत कर पाएंगे। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) सिंह ने बताया कि भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने हाल ही में एम्स भोपाल को सामुदायिक रेडियो शुरू करने की अनुमति दी है। इस रेडियो के प्रसारण से एम्स और इसके आसपास रहने वाले लोगों को विशेष फायदा होगा।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम को दिखाए काले झंडे, पांच गिरफ्तार

मुंबई। लोकसभा चुनाव का प्रचार करने जा रहे शिंदे सरकार में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस के काफिले को काले झंडे दिखाने पर पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, हालांकि बाद में उन्हें रिहा भी कर दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर महाराष्ट्र के धुले जिले में बुधवार दोपहर डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस शिरपुर में एक चुनावी रैली खत्म करने के बाद चुनाव प्रचार के लिए जलगांव जा रहे थे कि तभी अचानक प्रदर्शनकारी सड़क पर आ गए और काले झंडे दिखाने लगे। प्रदर्शनकारी आदिवासी व कोली समुदायों के बताए जा रहे हैं वह अपनी लंबित मांगें पूरी नहीं होने के कारण विरोध करना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया और गिरफ्तार कर शिरपुर थाने ले गई और बाद में चेतावनी देकर छोड़ दिया।

संदेशखालि मामले को लेकर टीएमसी चुनाव आयोग से करेगी शिकायत

कोलकाता। संदेशखालि मामले को लेकर पश्चिम बंगाल से लेकर देश में बवाल मचा। इसको लेकर देश भर में विरोध प्रदर्शन हुए। पीएम के साथ साथ बीजेपी नेताओं ने भी इसे खूब उछाला। वहीं अब बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी और अन्य के खिलाफ टीएमएस चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कर दावा करेगी कि पार्टी के एक नेता ने कैमरे पर कबूल किया है कि संदेशखालि मामले में दुष्कर्म के आरोप मनगढ़ंत थे। सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमएस) गुरुवार को चुनाव आयोग को एक पत्र सौंपेगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार टीएमसी शिकायत एक कथित वीडियो पर आधारित है जिसमें संदेशखालि में बीजेपी मंडल अध्यक्ष गंगाधर कायल होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि संदेशखालि की पूरी साजिश के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। बताया जा रहा है कि एक संस्था ने स्टिंग ऑपरेशन करके वीडियो बनाया जिसे बाद में टीएमसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। इसमें कायल को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि संदेशखालि में यौन उत्पीड़न की शिकायतें अधिकारी के कहने पर दर्ज कराई गई थीं। इस बीच बीजेपी की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि 'स्टिंग ऑपरेशन' फर्जी था और उन्हें शक है कि वीडियो कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से बनाया गया है।

ईडी आज दाखिल करेगी चार्जशीट....केजरीवाल को मुख्य साजिशकर्ता और किंगपिन बताया

नई दिल्ली ।

दिल्ली शराब घोटाले में सूबे के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुसीबतें बढ़ती जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) शुक्रवार को इस मामले में केजरीवाल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करेगी। यह पहली बार होगा, जब केजरीवाल का नाम चार्जशीट पर दाखिल होगी। ईडी अपनी चार्जशीट में केजरीवाल का नाम मुख्य साजिशकर्ता और किंगपिन के तौर पर दर्ज करने वाली है। प्रवर्तन निदेशालय का दावा है कि एजेंसी ने केजरीवाल से जुड़े मनी ट्रेल का पता लगा लिया है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर भी सुनवाई कर सकता है।

इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील से पूछा था कि केजरीवाल ने 9 बार समन को क्यों टाला। जस्टिस संजीव खन्ना ने पूछा था कि ईडी ने केजरीवाल को 9 बार नोटिस भेजा, उन्होंने हर बार क्यों टाल दिया? इस पर अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था, जब सीबीआई ने बुलाया तब वे गए। केजरीवाल ने ईडी के नोटिस का विस्तार से जवाब दिया। लेकिन ईडी यह नहीं कर सकती कि आप समन भेजने पर नहीं आए, इसलिए हम आपको गिरफ्तार करते है। ईडी दफ्तर न जाना उनका अधिकार है। इस पर अलग से मुकदमा चलाया जा रहा है। यह गिरफ्तारी का आधार या कारण नहीं हो सकता। ईडी ने गिरफ्तारी से पहले पीएमएलए की धारा 50 के तहत केजरीवाल का बयान दर्ज नहीं किया। संजय सिंह के मामले में भी ऐसा ही हुआ था।

गोल्डी और बिश्नोई गैंग के नौ सदस्य गिरफ्तार, एक नाबालिग भी शामिल

-सात राज्यों की पुलिस ने चलाया ऑपरेशन, सात पिस्टल व कारतूस बरामद

चंडीगढ़।

पंजाब के कुख्यात अपराधी और गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को बड़ी कामयाब हाथ लगी है। गोल्डी और बिश्नोई गैंग के खिलाफ कार्रवाई करते स्पेशल सेल ने गैंग के नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। इस गैंग में एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ ये कार्रवाई देश के सात राज्यों में की गई छापेमारी के बाद की है। ये ऑपरेशन दिल्ली, राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और बिहार में चलाया गया। इस ऑपरेशन के बाद गैंग के कई कामों पर रोक लगेगी, जिसमें कॉन्ट्रैक्ट किलिंग और अन्य अपराध शामिल है। अधिकारियों के मुताबिक ये सभी आरोपी गोलीबारी, वसूली, हत्या और हथियारों की सप्लाई जैसे मामलों में फरार थे। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार से गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से सात पिस्तौल, 31 कारतूस और 11 मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस ने दावा किया है कि इन आरोपियों की गिरफ्तारी से दिल्ली में सुपारी देकर हत्याओं और अन्य जघन्य

अपराधों को रोकने में मदद मिलेगी। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि सहायक पुलिस आयुक्त ललित मोहन नेगी और हृदय भूषण की निगरानी में निरीक्षक शिव कुमार और सतीश राणा के नेतृत्व में एक टीम ने देश के सात राज्यों से एक नाबालिग सहित बिश्नोई और बराड़ गैंग के नौ गुर्गों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पंजाब से दो-दो और राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा और बिहार से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की साबरमती जेल में बंद है, वहीं बताया जाता है कि सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ कनाडा में छिपा हुआ है। बराड़ को एनआईए ने भगोड़ा घोषित किया है। बिश्नोई-बराड़ गिरोह मई 2022 में पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला और दिसंबर 2023 में करणी सेना प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या में शामिल था। वहीं अभिनेता सलमान खान को धमकी देने और उनके घर के बाहर गोलीबारी की घटना में भी लॉरेंस का हाथ होना बताया जा रहा है। पुलिस इन सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पंजाब के सीएम दिल्ली में करेंगे रोड शो, आप प्रत्याशियों के लिए मांगेंगे वोट

नई दिल्ली।

पूर्वी और दक्षिण दिल्ली लोकसभा सीट पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए पंजाब के सीएम भगवंत मान 11 मई को रोड शो करेंगे और आप को वोट देने की अपील लोगों से करेंगे। आप पार्टी ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव के छठे चरण में 25 मई को राजधानी दिल्ली में मतदान होना है । पूर्वी दिल्ली से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी कुलदीप कुमार और दक्षिणी दिल्ली से सहीराम पहलवान के लिए पंजाब के सीएम भगवंत मान का रोड शो होगा और वह आप के प्रत्याशी के लिए जनता से वोट मांगेंगे। पार्टी के एक नेता ने कहा कि पंजाब सीएम मान दोनों लोकसभा क्षेत्रों में रोडशो करेंगे। कांग्रेस और आप के बीच सीट बंटवारे के तहत कांग्रेस ने दिल्ली की तीन लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि आम आदमी पार्टी दिल्ली की चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दिल्ली में लोकसभा की कुल सात सीट हैं और यहां 25 मई को मतदान होना है। मतों की गिनती चार जून को होगी।

चुनाव प्रचार के दौरान मंच पर नाचते दिखे गोविंदा

मुंबई ।

लोकसभा चुनाव 2024 में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता गोविंदा ने राजनीति में फिर कदम रख दिया है। तकरीबन एक दशक के बाद दुबारा राजनीति में लौटने का फैसला करने के बाद महाराष्ट्र की शिवसेना पार्टी में शामिल हुए है। इसके बाद से गोविंदा अब नेता बनने की तैयारी में लग गए हैं। वे शिवसेना के स्टार प्रचारक होने के नाते उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने पहुंच रहे हैं। चुनावी कैंपेन के बीच से ही गोविंदा का एक वीडियो सामने आया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में गोविंदा चुनावी मंच पर सभा के बीच डांस करते दिख रहे हैं। गोविंदा को डांस करता देखकर वहां मौजूद जनता और बाकी नेता भी झूम उठे।

सामने आए वीडियो में आप देख सकते हैं कि शिवसेना के नेता मंच पर मौजूद हैं। तभी गोविंदा अपने सुरहिट गाने आपके आ जाने से... पर धमाकेदार स्टाइल में डांस कर रहे हैं। उन्हें डांस करता देख बाकी नेता भी उत्साहित दिख रहे हैं और वे भी मंच पर उनके साथ ही थिरक रहे हैं। वहीं सभा में मौजूद जनता भी एक्साइटेड है, यही वजह है कि वे हूटिंग कर रहे हैं।

गोविंदा का स्टाइल और जोश पहले की तरह ही हाई दिख रहा है। बता दें, साल 2004 में गोविंद ने कांग्रेस के टिकट पर मुंबई उत्तर लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा और दिग्गज बीजेपी नेता राम नाइक को हराया था। हालांकि, बाद में उन्होंने कांग्रेस

पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। मार्च 2024 में गोविंदा ने शिवसेना ज्वाइन की है। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने के बाद से ही वे चुनाव प्रचार का हिस्सा हैं।

उत्तर प्रदेश

अंकल सैम का बयान कांग्रेस की खतरनाक मंशा को दिखाता: योगी

लखनऊ ।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, वे कांग्रेस के बुद्धिदाता हैं, तब स्वाभाविक रूप से कांग्रेस की बांटों और राज करो की जो नीति है, उसी नीति को अंकल सैम आज बता रहे हैं। देश को 1947 में बांटने के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। आजादी के बाद भी जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर देश को बांटने का पाप कांग्रेस ने किया है। अंकल सैम का ये बयान अत्यंत निंदनीय है और कांग्रेस पार्टी को स्वयं के उन कृत्यों के लिए, जो आज कांग्रेस सैम पित्रौदा के मुंह से बुलवा रही है, देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। ये कांग्रेस की खतरनाक मंशा को दिखाता है। ये बयान भारत जैसे सनातन देश के 140 करोड़ भारतवासियों को अपमानित करने वाला है। दरअसल सैम पित्रोदा के बयान पर फिर सियासी बवाल शुरू हो गया है। इस लेकर बीजेपी ने कांग्रेस पर हमले तेज कर दिए हैं। दरअसल सैम पित्रोदा के एक वीडियो में बयान सामने आया है कि भारत में पूर्व में रहने वाले लोग चीन जैसे और साउथ इंडिया में रहे वाले अफ्रीकन जैसे दिखते हैं।

कोआर्डिनेटर पद से हटाए जाने के बाद आनंद ने कहा- आपका आदेश सिर माथे पे

लखनऊ।

बसपा के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर के पद से हटाए जाने के बाद आकाश आनंद ने काफी भावुक पोस्ट लिखी है। उन्होंने अपने एक्स पर लिखा है कि मायावती जी आप पूरे बहुजन समाज के लिए एक आदर्श हैं। करोड़ों देशवासी आपको पूजते हैं। आपके संघर्षों से समाज को राजनैतिक ताकत मिली है जिसके बूते बहुजन समाज आज सम्मान से जीना सीख पाया है। आप हमारी सर्वमान्य नेता हैं, आपका आदेश सिर माथे पे। भीम मिशन और अपने समाज के लिए अंतिम सांस तक लड़ता रहूंगा। बता दें कि आकाश आनंद ने सीतापुर में 28 अप्रैल को चुनावी सभा के दौरान भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया था। उन्होंने कुछ ऐसे शब्दों का भी इस्तेमाल किया जिसके चलते उनके ऊपर एफआईआर हुई थी। मायावती ने इसके बाद उन्हें दिल्ली वापस भेजते हुए सभी चुनावी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया था। इसके बाद से ही आकाश पर खतरे की तलवार लटक रही थी। दरअसल, बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार की देर रात आश्चर्यजनक तरीके से एक बड़ा फैसला लेते हुए भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी के साथ ही राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर पद से हटा दिया है। उन्होंने स्वयं सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि उनके भाई और आकाश के पिता आनंद कुमार पार्टी मूवमेंट के लिए पूर्व की तरह काम करते रहेंगे। मायावती ने कहा है कि पार्टी में अन्य लोगों को आगे बढ़ाने के साथ ही आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर व अपना उत्तराधिकारी घोषित किया, किन्तु पार्टी व मूवमेंट के व्यापक हित में पूर्ण परिपक्वता आने तक अभी उन्हें इन दोनों अहम जिम्मेदारियों से अलग किया जा रहा है।

मां और बेटे की गला काटकर हत्या

गाजियाबाद । गाजियाबाद में डबल मर्डर का मामला सामने आया है। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के गुलाब वाटिका कॉलोनी में बुधवार सुबह घर में मां यशोदा देवी (65) और बेटे बिजेंद्र (35) का शव कमरे में बैड के ऊपर मिला है। दोनों खून से लथपथ मिले हैं। दूसरे कमरे की अलमारी से नकदी और जेवरात गायब है। मकान की दूसरी मंजिल पर यह घटना हुई है। तीसरी मंजिल पर परिवार सो रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। यशोदा देवी पत्नी हरि नारायण परिवार के साथ रहती थी। यशोदा के पति की करीब 10 साल पहले मौत हो चुकी है। यशोदा का बेटा बिजेंदर दिव्यांग था। मकान की तीसरी मंजिल पर बिजेंदर का भाई धर्मेंद्र अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रह रहा है। बुधवार सुबह यशोदा और उसके बेटे बिजेंदर का शव कमरे में बेड के ऊपर मिला। दोनों लहूलुहान पड़े थे। धर्मेंद्र के बच्चे जब नीचे आए तो उन्हें घटना का पता चला। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। आरोप लगाया है कि हत्यारे नीचे घर से घुसे और यशोदा और बिजेंद्र की हत्या कर दी।

साइबर ठगों ने महिला को तीन दिन डिजिटल अरेस्ट किया और 1 करोड़ 48 लाख झटक लिए

प्रयागराज।

जार्जटाउन निवासी काकोली दासगुप्ता को बीते 23 अप्रैल को साइबर ठग ने कॉल कर कहा कि फेडेक्स इंटरनेशनल कोरियर कंपनी से बोल रहा हूं। उनके नाम से एक पार्सल ताइवान से भेजा गया है। इस पार्सल में ड्रग्स समेत अन्य सामान है। इसके बाद डीसीपी क्राइम ब्रांच बनकर एक अन्य व्यक्ति ने कॉल किया। साइबर ठगों ने वीडियो कॉल कर कहा कि वह पुलिस की निगरानी में हैं। उन्हें ऑनलाइन गिरफ्तार (डिजिटल अरेस्ट) किया गया है। तीन दिन तक कमरे से बाहर नहीं जाएंगी। इस दौरान बुजुर्ग महिला डर कर तीन दिन तक घर के बाहर नहीं निकलीं और फर्जी पुलिसकर्मियों के कहने पर तीन दिन में अपने बैंक खाते से कई बार में कुल एक करोड़ 48 लाख 30 हजार रुपये ऑनलाइन साइबर ठगों को ट्रांसफर कर दिए। इस मामले में साइबर थाने की पुलिस ने बुधवार को खुलासा किया। नेपाल, थाईलैंड और बैंकाक में बैठे साइबर शातिर गैंग को ऑपरेट कर रहे थे। पुलिस ने छापामारी करके बैंक स्टेटमेंट की मदद से चार साइबर ठगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इनके पास से एक आईफोन, छह मोबाइल, सात बैंक खातों की चेकबुक, तीन फर्जी सिम कार्ड और 10 एटीएम कार्ड बरामद हुआ है। पुलिस ने इनके बैंक खाते से 40 लाख रुपये पहले ही फ्रीज करा दिए थे।

साइबर थाना प्रभारी राजीव तिवारी ने बताया कि इस गैंग का मुख्य सरगना दिल्ली निवासी देवराय उर्फ राणा है। करोड़ों की ठगी के बाद वह विदेश (नेपाल) भाग गया है। पुलिस ने उसके बेटे दिल्ली निवासी निशांत राय, शाहजहांपुर निवासी नितलेश कुमार, नोएडा के राजेश कुमार और नई दिल्ली के रामा उर्फ चेतन को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद चारों को जेल भेज दिया गया। मुख्य आरोपी राणा समेत अन्य की तलाश जारी है। प्रयागराज में डिजिटल अरेस्ट करके करोड़ों की ठगी करने का मास्टर माइंड दिल्ली निवासी देवराय उर्फ राणा है। लोग उसे राणा के नाम से जानते हैं। पहले वह बैंकाक में होटल संचालित करता था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

कांग्रेस नेता सैम पित्रोडा के बयान पर बोले प्रदेश अध्यक्ष सी.आर.पाटिल

देश को रंग के आधार पर बांटने की कोशिश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, कांग्रेस के जाने-माने रणनीतिकार सैम पित्रोदा के एक बयान ने राजनीति में एक बार फिर आग फुक दी है. दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस को घेरने शुरू कर दिया है. कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने पूर्वी राज्यों के लोगों की तुलना चीन और दक्षिण भारतीयों की तुलना अफ्रीका से की. जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने इस बयान की कड़ी निंदा करते हुए सूरत में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा की कांग्रेस देश को रंग के आधार पर बांटने की कोशिश कर रही है. कांग्रेस नेता सैम पित्रोडा विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं, उन्होंने एक बार फिर भारत को बांटने वाला बयान देकर नया विवाद खड़ा कर दिया है. हाल ही में कांग्रेस के रणनीतिकार और राहुल गांधी के राजनीतिक सलाहकार कहे जाने वाले सैम पित्रोदा का देश के अलग-अलग राज्यों को लेकर बयान सामने आया था. जिस पर विवाद खड़ा हो गया है. सैम पित्रोदा ने कहा कि भारत में हर क्षेत्र के अंदर विविधता देखने को मिल रही है. हर क्षेत्र में रहने वाले लोगों का रंग अलग-अलग होता है. सैम पित्रोदा के इस बयान से राजनीतिक बहस छिड़ गई है. अन्य राजनीतिक दल कांग्रेस की विचारधारा पर सवाल उठा रहे हैं. गुजरात प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने कहा कि कांग्रेस देश के नागरिकों का अपमान करती रही है. कांग्रेस के सलाहकार सैम पित्रोदा का बयान विभाजनकारी है. रंग ने क्षेत्र को बांट दिया है. देश को बांटने की बदनीयती से बयान दिया गया है. कांग्रेस और उसके नेता की यह फूट डालो और राज करो की मानसिकता आज जनता के सामने फिर उजागर हो गई है. यह बयान लोगों को बांटकर कांग्रेस को फायदा पहुंचाने की गंदी मंशा से है, जिससे लोगों की भावना आहत हुई है. कांग्रेस के कई नेताओं ने देश की जनता और यहां तक कि बीजेपी के नेताओं को भी नीचा दिखाने की कोशिश की है ऐसे शब्दों का प्रयोग किया है. कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चा वाला, चौकीदार चोर बनाने की कोशिश की.

श्री गुरुकृपा विद्या संकुल के १२वीं कक्षा के सामान्य प्रवाह और विज्ञान प्रवाह के छात्रों का उत्कृष्ट परिणाम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, उधना स्थित श्री गुरुकृपा विद्या संकुल के कक्षा १२वीं की सामान्य प्रवाह की परीक्षा में ९ छात्रों ने A1 ग्रेड और ७१ छात्रों ने A2 ग्रेड हासिल किया है, जबकि विज्ञान प्रवाह के ६ छात्रों ने A1 ग्रेड और १६ छात्रों ने A2 ग्रेड हासिल कर स्कूल और उनके परिवार का गौरव बढ़ाया है. सामान्य प्रवाह से राणा कार्तिक ने ९९.९२ पर्सनटाइल हासिल किए हैं, जबकि विज्ञान प्रवाह से सोलंकी हेमाक्षी ने ९९.९९ पर्सनटाइल हासिल किया हैं. साथ ही संकुल के हिन्दी माध्यम के विज्ञान प्रवाह का छात्र शुक्ला सुमित पुरे गुजरात में प्रथम आया. संकुल के अधिकांश छात्रों ने बिना ट्यूशन और शिक्षकों के मार्गदर्शन में ही उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किये हैं. परीक्षा में सफल सभी छात्रों को संकुल ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं की.

सामान्य प्रवाह की परीक्षा में ९ छात्रों ने A1 ग्रेड हासिल किया. जिसमे राणा कार्तिक ने ९९.९२, राणा अनिकेत ने ९९.८४, प्रजापत कुलदीप ने ९९.८०, जरीवाला वैष्णवी ने ९९.७२, शर्मा आशीष ने ९९.५४, परमार विशाखा ने ९९.५४, राणा क्रिश ने ९९.२०, पटेल युग्मि ने ९८.७७, सूद मुकेश ने ९८.७१ पर्सनटाइल हासिल किया हैं. और ७१ छात्रों ने A2 ग्रेड हासिल किया है.

विज्ञान प्रवाह की परीक्षा में ६ छात्रों ने A1 ग्रेड हासिल किया. जिसमे सोलंकी हेमाक्षी ने९९.९९, लोहार चंदन ने ९९.९८, राजपूत ग्रेशि ने ९९.९४, सोलंकी जयवीर ने ९९.३६, पाटील भुसन ने ९९.१३, शुक्ला सुमित ने ९९.०६ पर्सनटाइल हासिल किया हैं. और १६ छात्रों ने A2 ग्रेड हासिल किया है.

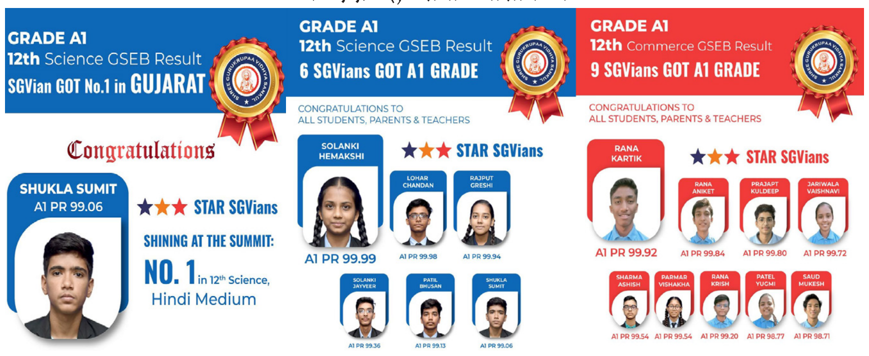

बस चालक की लापरवाही से बाइक चालक के साथ हुई टक्कर, कोई जानहानि नही हुई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत नगर निगम द्वारा संचालित सिटी बस समय-समय पर विवादों में आती रहती है. शहर में कई सिटी बस चालकों की लापरवाही के कारण जनता को दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता है. कई मामलों में तो पैदल चलने वालों या वाहन चालकों की मौत भी हो जाती है. मानो शहर में सिटी बस चालकों द्वारा लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना करना आम बात हो गई है, आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं. ऐसी ही एक और घटना पांडेसरा क्षेत्र से सामने आई. जहा बस चालक की लापरवाही से बाइक चालक के साथ टक्कर हो गई. गनीमत यह रही की कोई बड़ी दुर्घटना या जानहानि नही हुई.

प्राप्त जानकारी के अनुसार पांडेसरा क्षेत्र के पत्रकार कॉलोनी के पास से एक बाइक चालक गुजर रहा था, उस समय सिटी बस चालक की बाइक चालक से टक्कर हो गई. टक्कर होते ही आसपास के लोग दौड़ आए और बस रोक कर बस चालक को निचे उतारा. बाइक चालक ने सूरत नगर निगम अधिकारी से संपर्क कर शिकायत की. जिसके बाद सिटी बस एजेंसी के कर्मचारी मौके पर पहुंचे. कर्मचारीयों के मौके पर पहुँचते ही ड्राइवर से बात की तो पता चला कि वह खुद नशे की हालत में था. दोपहर में डिपो से निकलते वक्त ही वह नशे की हालत में था. बस एजेंसी वाले आये तो भी वह ठीक से बोल नहीं पा रहा था. बस एजेंसी प्रबंधक नशे की हालत में बस चालकों को बस सौंप देते है और बस चालक निर्दोष वाहन चालकों, पैदल यात्रियों की जान ले लेते हैं. लोगों द्वारा मांग की गई कि जब नगर निगम द्वारा ड्राइवरों को काम पर रखता है तो इसकी जांच होनी चाहिए.

स्वास्थ्य विभाग द्वारा लिया गया आइसक्रीम का सैंपल फेल

जब्त की गई आइसक्रीम की मात्रा नष्ट कर दी गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत में मनपा के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आइसक्रीम बेचने वाले प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया था और परीक्षण के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला में भेजा गया था, जिसमें १० प्रतिष्ठानों के नमूने मानदंडों के अनुसार नहीं पाए गए. मनपा के स्वास्थ्य विभाग और खाद्य विभाग ने मानदंडों के अनुसार ना हो ऐसे आइसक्रीम बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की है. इसके अलावा जब्त की गई कुल ८७.५ किलोग्राम आइसक्रीम को नष्ट कर दिया गया है.

सूरत में नगर निगम के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने ३० अप्रैल से २ मई तक सूरत के विभिन्न क्षेत्रों में आइसक्रीम बेचने वाले प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया था और आइसक्रीम का नमूना परीक्षण के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला सूरत नगर निगम को भेजा गया था, जिसमें से १० नमूने मानदंडों के अनुसार नहीं पाए गए. आइसक्रीम के नमूने में दूध वसा की मात्रा १० प्रतिशत होनी चाहिए जो कि कम है. आइसक्रीम के एक नमूने में कुल ठोस पदार्थ की मात्रा ३६ प्रतिशत होनी चाहिए, जो कम है. इसलिए सूरत नगर निगम ने इन आइसक्रीम पार्लरों की ८७.५ किलोग्राम आइसक्रीम को नष्ट कर दिया है और दुकानदारों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की है.

इस संस्था का सैंपल मानक के अनुरूप नहीं पाया गया

संतकृपा नेचुरल कोठी आइसक्रीम- एलएच रोड, गायत्री नगर सोसाइटी के सामने
माधव आइसक्रीम- नाना वराछा चोपाटी के सामने
चंदामामा आइसक्रीम – सिद्धेश्वर सोसायटी के पास वेडरोड
संतकृपा आइसक्रीम – जनता नगर सोसायटी के पास, एलएच रोड
प्राइम नेचुरल – परसुराम गार्डन के पास अडाजण
राधे पार्लर – अडाजण, परशुराम गार्डन के पास
श्री राधे नेचुरल कोठी आइसक्रीम – वेडरोड नवजीवन सोसायटी के पास
उमिया एजेंसी – वरियाव रोड, गोकुलधाम सोसायटी के पास
वाडीलाल एंटरप्राइजेज लिमिटेड – कतारगाम कांसा शहर
बॉम्बे सुपर आइसक्रीम एंड कोलेटी – पुणा सीमाडा रोड, कल्याण नगर सोसायटी के पास

सामान्य परिवारों के बच्चे जिन्होंने कक्षा-१२ की परीक्षा उत्तीर्ण की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

१२वीं की परीक्षा पास करने वाले सामान्य परिवार के बच्चों ने कहा- कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं

हिमालय भी सफलता की राह में रोड़ा नहीं बनता इसका सबूत १२वीं के नतीजों में देखने को मिला। सामान्य परिवार से आने वाले और कठिनाइयों के बीच पढ़ाई करने वाले बच्चों ने सफलता हासिल की है। प्रतिदिन आठ से १० घंटे तक लगातार मेहनत करने वाले छात्रों ने बताया कि इस सफलता के पीछे स्कूल की सुविधाओं के साथ-साथ कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है.

आईएएस बनने की चाहत नाना वराछा के सरदार विद्यालय से ए-वन ग्रेड हासिल करने वाले छात्र खुमान हिरल नरेशभाई ने कहा, मुझे ९५.७३ प्रतिशत अंक मिले। साथ ही ९९.९६ पीआर आया है. मुझे स्टेट पेपर में १०० अंक मिले। रोजाना चार से पांच घंटे पढ़ता था। इसका सारा श्रेय स्कूल, शिक्षकों और परिवार को जाता है। मैं आगे आईएएस बनना चाहता हूं. ट्रस्टी बाबूभाई रादडिया ने सभी छात्रों को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया।

पिता की मृत्यु के कठिन समय के बीच भी ए-वन मिला पुणागाम इलाके के कृष्णा स्कूल परिसर में पढ़ने वाली अंकिता शर्मा ने ए ग्रेड हासिल किया है। १२वीं कक्षा की पढ़ाई के दौरान अंकिता के पिता की मृत्यु हो गई। लेकिन हिम्मत नहीं हारी. स्कूल से लगातार प्रेरित किया गया। पिता की मृत्यु के बाद परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा था। घर चलाने के लिए मां और बहन काम कर रही थीं। घर के काम के साथ-साथ अंकिता अपनी पढ़ाई का भी ध्यान रखती थीं। अंकिता ने कहा, आज मैं बहुत खुश हूं कि हमारे परिवार की खराब आर्थिक स्थिति के बीच मैंने १२वीं कक्षा में ए१ ग्रेड हासिल किया है। मैं यह परिणाम अपने स्वर्गीय पिता को समर्पित करता हूं।

सूरत में रिक्शा चालक के बेटे ने A-1 ग्रेड हासिल किया

माता-पिता अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। माता-पिता की मेहनत की सराहना करते हुए सूरत के छात्र ने १२वीं कक्षा में ए-वन ग्रेड के साथ सफलता हासिल की है. रिक्शा चलाकर परिवार के पांच सदस्यों का जीविकोपार्जन करने वाले पिता के बेटे ने ए-१ ग्रेड पाने के बाद कहा कि मेरे पिता की कड़ी मेहनत के कारण अब मैं सीए बन गया हूं। मैं उसका बोझ हल्का करने की कोशिश करूंगा.

दिन में ८ घंटे काम किया

पुणे इलाके के नालंदा विद्यालय में १२वीं कॉमर्स में पढ़ने वाले रिक्शा चालक के बेटे जिग्नेश भावेशभाई डाभी ने ९४.४३ प्रतिशत अंक हासिल कर ए वन ग्रेड में जगह बनाई है। जिग्नेश ने कहा, मैं दिन में आठ घंटे काम करता था।